दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 180 मुरादाबाद, 19 October 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

तृतीय नवरात्री

चंद्रघण्टा

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महयं चंद्रघण्टेति विश्रुता।।

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघण्टा है। नवरात्र उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन व आराधना की जाती है। इनका स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र है। इसी कारण इस देवी का नाम चंद्रघण्टा पड़ा। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनका वाहन सिंह है। हमें चाहिए कि हम मन, वचन, कर्म एवं शरीर से शुद्ध होकर विधि-विधान के अनुसार, मां चंद्रघ.टा की शरण लेकर उनकी उपासना व आराधना में तत्पर हों। इनकी उपासना से हम समस्त सांसारिक कष्टों से छूटकर सहज ही परमपद के अधिकारी बन सकते हैं।

दिवाली पर सरकार का तोहफा, महंगाई भत्ता बढ़ाया, रेल कर्मियों को बोनस और रबी की फसलों पर MSP में इजाफा

केंद्रीय कर्मियों और पेंशनधारकों को अब महंगाई भत्ते की नई दरों से भुगतान किया जाएगा। अक्तूबर के वेतन के साथ ही नई दरों के हिसाब से ही वेतन का भुगतान होगा। इसमें जुलाई, अगस्त, सितंबर का एरियर भी शामिल होगा। साल की दूसरी छमाही के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है। बिनेट ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में महत्वपूर्ण वृद्धि को मंजूरी दे दी है। महंगाई भत्ते को 42त्न से बढ़ाकर 46त्न कर दिया गया है। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में 4त्न की वृद्धि हुई। कैबिनेट के फैसलों पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने डीए और डीआर में वृद्धि की जानकारी दी। डीए बढ़ोतरी का फैसला एक जुलाई 2023 से ही लागू होगी। इस निर्णय से उनके मासिक भत्ते में वृद्धि होगी, जिसका उद्देश्य उन्हें जीवन यापन की बढ़ती लागत से निपटने में मदद करना है।महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के फैसले को त्योहारों से पहले सरकार की ओर से केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा माना जा रहा है। बुधवार को कैबिनेट ने इसे मंजूरी दे दी है। अब केंद्रीय कर्मचारियों को 46 फीसदी की दर से महंगाई भत्ता मिलेगा। इसे 1 जुलाई 2023 से लागू किया गया है। इसका फायदा 48 लाख से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और करीब 65 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा।

केंद्रीय कर्मचारियों की इतनी बढ़ जाएगी सैलेरी

मूल वेतन	बढ़ोतरी	कुल डीए
18000	720	8280
25000	1000	11500
35000	1400	16100
52000	2080	23920
70000	2800	32200
85,500	3420	39330
1,00,000	4000	46000

(आंकड़े रुपये में)

अक्तूबर के वेतन के साथ नई दरों के आधार पर होगा भुगतान

केंद्रीय कर्मियों और पेंशनधारकों को अब महंगाई भत्ते की नई दरों से भुगतान किया जाएगा। अक्तूबर के वेतन के साथ ही नई दरों के हिसाब से ही वेतन का भुगतान होगा। इसमें जुलाई, अगस्त, सितंबर का एरियर भी शामिल होगा। साल की दूसरी छमाही के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है। चार फीसदी के उछाल के साथ महंगाई भत्ता 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो गया है।

रेलवे के कर्मचारियों के लिए भी केंद्रीय मंत्री ने किया ये एलान

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दूसरा निर्णय रेलवे विभाग के नन गजेटेड रेलवे कर्मियों के हित में हैं। त्योहारों के पहले 11 लाख 7 हजार 344 नन गजेटेड रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिन का बोनस यानी 78 दिन की सैलरी के बराबर बोनस देने का तय किया है। इसके ऊपर एक 1969 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस रेलवे 2010-11 से अपने कर्मचारियों को देता है।

सरकार ने पेंशनधारकों को भी दी राहत

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के अलावा पेंशनधारकों को भी सरकार ने बढ़ती महंगाई को देखते हुए राहत दी है। उनके लिए भी चार फीसदी की समान दर से डीआर में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी भी एक जुलाई 2023 से प्रभावी होगा। अब पेंशनधारकों को पेंशन के साथ डीआर की नई दरों के आधार पर भुगतान देय होगा। पेंशनर्स के लिए भी महंगाई भत्ते को बढ़ाकर 46 फीसदी कर दिया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन बोलीं- घर जाकर मां के गले में पहनाएं मेडल, दहेज मांगने वालों को कहा भिखारी

सीसीएसयू का दीक्षांत समारोह सुबह 10 बजे शुरू हुआ। इसकी अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा सचिव आयुष मंत्रालय और विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रहे।चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षा समारोह में बेटियों को स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि मेडल लेकर घर पहुंचने पर सभी छात्र -छात्राएं सबसे पहले अपनी माता के गले में मेडल पहनाएं और उनके पैर छुएं, क्योंकि पहले गुरु पिता नहीं बल्कि माता होती हैं। राज्यपाल बोलीं- दहेज मांगने वाले भिखारी - दहेज प्रथा पर तंज करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दहेज मांगने वाले भिखारी होते हैं, ऐसे परिवार में बेटियों का विवाह न करें। राज्यपाल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटे और बेटियों में भेदभाव बंद करें। बेटियों को सरकारी स्कूल और बेटों को निजी स्कूलों में मोटी फीस देकर पढ़ाना गलत है। अगर माता पिता ही ऐसा भेदभाव करेंगे तो समाज से क्या अपेक्षा कर सकेंगे।दीक्षांत के दौरान बेटियों को दिए जाने वाले सर्वाधिक मेडल दिखाते हैं कि बेटियां आज कितनी आगे हैं। बेटे पिता के कारोबार को आगे बढ़ाने को ध्यान में रखकर पढ़ाई करते हैं, जबकि बेटियों को ससुराल जाना पड़ता है। इसलिए वह अधिक मेहनत से पढ़ाई करतीं हैं जिससे भविष्य में कोई विपत्ति आए तो वह आत्मनिर्भर बन सकें।

अल-अहली अस्पताल हमले में मौतों को पीएम मोदी ने बताया गंभीर मामला, कहा- इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

पीएम मोदी ने लिखा, गाजा के अल-अहली अस्पताल में मौतों से गहरा दुख पहुंचा है। पीड़ितों के परिवारों के साथ मेरी हार्दिक संवेदनाएं और घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थनाएं। गाजा पट्टी में अल-अहली अस्पताल में ब्लास्ट के बाद 500 से ज्यादा मौतों को लेकर पीएम मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने इस घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि इसके लिए जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। एक्स पर किया पोस्ट पीएम मोदी ने लिखा, गाजा के अल-अहली अस्पताल में मौतों से गहरा दुख पहुंचा है। पीड़ितों के परिवारों के साथ मेरी हार्दिक संवेदनाएं और घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थनाएं। पीएम ने इसी ट्वीट में कहा, ताजा संघर्ष में नागरिकों की मौत की घटना एक गंभीर और चिंता की बात है। इसके लिए जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

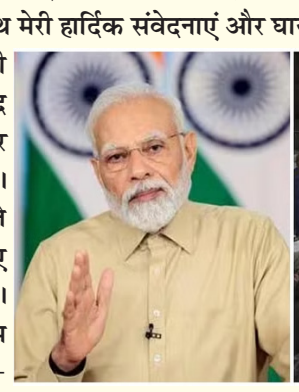

पूरा परिवार 7 साल के लिए सलाखों के पीछे, वो केस जिसने आजम से बहुत कुछ छीन लिया

अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फात्मा को सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों को जेल भेजने का आदेश दिया।बहुचर्चित फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में रामपुर (एमपी-एमएलए) कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, पत्नी तंजीम फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा सुनाई है। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। तीनों कोर्ट से सीधा जेल जाएंगे। आपको बता दें कि बुधवार दोपहर को ही कोर्ट ने तीनों को दोषी करार दिया था। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। लघु उद्योग प्रकोष्ठ के तत्कालीन क्षेत्रीय संयोजक एवं भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने

2019 में गंज थाने में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो जन्म प्रमाणपत्र होने का मामला दर्ज कराया था, जिसमें सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा को भी आरोपी बनाया गया था।

30 गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट का फैसला

पुलिस ने विवेचना के बाद मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। तीनों ही लोग इस समय जमानत पर चल रहे हैं। मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में कोर्ट 30 गवाहों और उपलब्ध दस्तावेजी सुबूतों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाया। दोनों ओर से 15-15 गवाह सुनवाई के दौरान पेश किए गए। पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र का यह मामला वर्ष 2019 में सामने आया था। उस समय भाजपा लघु प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक व मौजूदा समय में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने गंज थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज कराया था। आरोप था कि अब्दुल्ला ने अपने दो जन्म प्रमाणपत्र बनवाए है, जिनमें एक रामपुर नगरपालिका परिषद से, जबकि दूसरा प्रमाणपत्र लखनऊ नगर निगम से बनवाया। आरोप है कि उसका प्रयोग अब्दुल्ला आजम ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया। पुलिस ने मामले की जांच कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट में अभियोजन की ओर से मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना समेत 15 गवाहों के बयान दर्ज हुए, जबकि अब्दुल्ला आजम, आजम खां व डॉ. तंजीन फात्मा की ओर से अपने बचाव में 15 गवाहों के बयान कराए। इसके अलावा अभियोजन की ओर से विधि व्यवस्थाओं के साथ ही हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में पारित निर्णय का भी हवाला दिया गया है। इन 30 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

जन्मतिथि के फेर में जा चुकी है अब्दुल्ला की विधायकी

2017 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अब्दुल्ला की ओर से जन्मतिथि का जो ब्योरा दिया गया था। उसे उस समय उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रहे नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि 2017 में चुनाव के समय अब्दुल्ला आजम की उम्र 25 साल से कम थी, जबकि चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने फर्जी कागजात और हलफनामा दाखिल किया था। हाईस्कूल की मार्कशीट और अन्य दस्तावेजों को आधार बनाया गया था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद अब्दुल्ला की विधानसभा की सदस्यता को रद्द करते हुए चुनाव शून्य घोषित कर दिया था।

छजलैट प्रकरण में दोबारा चली गई थी विधायकी

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम दूसरी दफा 2022 में स्वार टांडा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़े और वह जीत भी गए, लेकिन मुरादाबाद के छजलैट प्रकरण के 15 साल पुराने मामले में कोर्ट ने उनको दोषी ठहराते हुए 14 फरवरी 2023 को दो साल की कैद व तीन हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी दूसरी बार भी चली गई थी।

अखिलेश यादव का बड़ा आरोप: आजम खां के खिलाफ हुई है साजिश, मुस्लिम हैं... इसलिए किया जा रहा परेशान

अखिलेश यादव ने कहा है कि आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ बड़ी साजिश हुई। इसी का परिणाम है कि उनके ऐसी सजा मिली है। भाजपा के लोगों का ही कहना है कि वो मुस्लिम हैं। इसलिए उनको परेशान किया जा रहा है।रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान, उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई है। मामले में प्रतिक्रिया देते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ बड़ी साजिश हुई। इसी का परिणाम है कि उनके ऐसी सजा मिली है। भाजपा के लोगों का ही कहना है कि वो मुस्लिम हैं। इसलिए उनको परेशान किया जा रहा है।

राजभर बोले - धैर्य रखिए... जल्दी ही शपथ हो जाएगी..., मंत्री बनाए जाने के सवाल पर दिया जवाब

बसपा के जोनल कोआर्डिनेटर सहित कई अपना दल एस व रालोद के नेता बुधवार को सुभासपा में शामिल हो गए।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के यूपी के मंत्रिमंडल में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार होने पर उन्हें मंत्री बनाया जा सकता है। इस संबंध में बुधवार को जब उनसे सवाल किया गया कि आज नवरात्र का चौथा दिन है मंत्री कब बन रहे हैं? तो उन्होंने जवाब दिया कि जल्दी ही शपथ हो जाएगी। विजयादशमी कब है, धैर्य रखिए !उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में सपा कांग्रेस को हराने के लिए काम कर रही है। सपा भाजपा की बी टीम है। सपा भाजपा को जिताने के लिए ही एमपी में चुनाव लड़ रही है।हम बीते 20 साल से जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं कांग्रेस व सपा द्वारा जातीय जनगणना की मांग करने के सवाल राजभर ने कहा कि सुभासपा बीते 20 साल से यही

मांग कर रही है। सपा ने मुस्लिमों को नफरत के सिवा कुछ नहीं दिया। मोदी-योगी बिना भेदभाव देश-प्रदेश को सभी नागरिकों को योजनाओं का लाभ दे रहे हैं।

पीडीए... एनडीए में आ गया है

राजभर ने कहा कि यूपी कांग्रेस, बसपा और सपा सब पिट गई हैं। पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) एनडीए में आ गया है। अनुप्रिया पटेल, संजय निषाद और केशव प्रसाद मौर्य सब पीडीए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सपा, कांग्रेस और बसपा ने पुलिस व लेखपाल की भर्ती में मुस्लिमों को हिस्सेदारी नहीं दी। विपक्ष समाजिक न्याय की बात करता है लेकिन जब सरकार बनती है तो सिर्फ परिवार पर ध्यान रहता है। भाजपा ने योजनाएं बनाई उसका लाभ देने में जाति और धर्म नहीं देखा जाता है। योगी सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। विपक्ष के लोग ईडी और सीबीआई के डर से एकजुट होकर सरकार बनाने में जुटे हैं।

बसपा के जोनल कोआर्डिनेटर फागू सिंह चौहान सुभासपा में हुए शामिल

बहुजन समाज पार्टी के जोनल कोआर्डिनेटर फागू सिंह चौहान बुधवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने मऊ में पार्टी की सदस्यता ली। इसी तरह अपना दल एस क अनुसूचित प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव अवनीश गौतम भी सुभासपा में शामिल हो गए। राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व मंत्री सैयद शकील और हिंदू महासभा के पंकजनाथ ने भी सुभासपा की सदस्यता ले ली। ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा एनडीए का हिस्सा है। कयास लगाए जा रहे हैं यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार होने पर राजभर को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है।

संपादकीय Editorial

Garbage River

Ultimately the court had to say that there should be a complete ban on dumping of garbage in rivers and streams. While hearing the PILs, the Honorable Himachal High Court not only gave strict instructions on the garbage management of the state, but also took strict cognizance of unscientific dumping within the scope of local bodies. This decision points out the changes in human civilization and lifestyle and puts the conditions of life for the local bodies under the responsibility of the government. Considering the way the solid waste disposal plant is being operated in a highly industrialized area like Baddi, this decision is also related to public consciousness. In the last three decades, not only the garbage has increased in Himachal, but with it the waste from schemes and projects has also increased. The governments of Himachal remained non-serious on the issue of continuous urbanization and kept making bold attempts to somehow cover up the growth rate in this direction. The surprising thing is that neither the cities were settled according to proper standards nor the villages survived. The population of Himachal learned to live in urban culture, mentality, consumerism and modern lifestyle, but this turmoil continuously ignored the environmental threats. After Shimla, Dharamshala became the second municipal corporation in 2005 and later the Jairam government gave the management of three more cities the status of big cities, but these decisions are proving to be only political. If we look at the management of garbage in the Municipal Corporation areas itself, it will be known that the signs of pollution and environmental hazards are still littering the schemes here. The state neither has surveys nor data to eliminate garbage at the state level. Once the Dhumal government had shown the path to survival by banning polythene, but this ideal also collapsed. Under the cleanliness campaign, all the MPs of the state buried dust bins, but the inscriptions of this campaign neither became an option nor anything happened beyond it. As a result, dumping sites have now become on the banks of ravines and rivers, where along with solid waste, the material and dust generated from excavation during building construction are being thrown. Eighty percent of the garbage in the state is being thrown in the open. Even though some schemes are being made in urban areas, rural Himachal is completely sitting on a heap of garbage against the environment. It is said that we are a green state and want to run on green energy, but the state does not seem to have priorities for solid waste management. This is the reason why governments have been cutting grants-in-aid to cities whenever they want. This time too, the Sukhu government has withdrawn half of the grants from the municipal corporations. Obviously, its impact will extend to the garbage heaps, where poisonous methane gas will harass human settlements with its attack. If only 43 million tonnes of 62 million tonnes of waste is collected in the entire country, then the situation in Himachal is even more dangerous. This is because we are using rivers, streams or even ponds as a medium to get rid of our garbage. The latest round of disasters has shown us how much garbage we have dumped on our drainage channels. Understanding the essence of the honorable court's decision, the state will have to decide the parameters of the state level plan by activating the TCP department before weaving the state level blueprint. Only by bringing the entire state under the ambit of TCP, the state will be saved from the dangers of environment, pollution and indiscriminate expansion of new construction, otherwise the courts will keep giving cautionary.

When elections came, demand for OBC MBC increased, the game of votes began.

Today, preparations for the 2024 Lok Sabha elections have started in the country. While the Government of India has issued tickets on the Vishwakarma Shram Samman Yojana with photos of the castes doing ancestral trades, it has also passed the Women's Reservation Bill without reservation. Not only this, the BJP which is running the government, like its earlier preparations, has also started preparations for this election to garner OBC votes, and in this plan to garner votes, the Sangh and the BJP have planned to visit every village. There is no order to take care of MBC (Most Backward) castes. In such a situation, the extremely backward class Sain, Savita, Nand, Pal, Prajapati, Saini, Badai, Kashyap, Kushwaha, Maurya, Vishwakarma, Kanojia, Chaurasia, Bari, Malha, Nishad, Rajbhar etc. have been deprived of political respect for a long time. The work of gathering votes of castes has been started. The interesting thing is that not only BJP but also parties like Congress, SP, BSP etc. are trying to woo them, but the most important thing is that despite having more than 34 percent population in the country, no party has won the number of seats in proportion to the population. Forget about giving political stake, they have not even promised to be included in the upcoming scheme, nor have they taken the initiative to give stake in the main organization of their party, due to which these castes, who have always been sticklers, have built a house of their own and started renting and laying carpets. They have stopped working and started working on plans to become MPs, MLAs and ministers. However, the leaders of these castes, who are considered bigoted across the country, especially in Uttar Pradesh, have started giving contracts for the votes of their community to these parties. It is difficult to say whether the people of their community will be able to agree with the words of these contractors, however, the BJP which is currently running the government started the construction of the Ram temple keeping their faith in mind as soon as they assumed the chair, and the Ram temple is also going to be inaugurated by consecrating it before the elections. But experts say that the temple is a matter of our faith and we have been worshiping it even without the government, but as soon as the elections came, the government started working for ancestral businesses for livelihood, whereas people are already reaching home for bread. Ration is being delivered but despite Congress' survey, Rahul Gandhi may not have been able to fill the posts of OBC and MBC in the posts of Secretary and Joint Secretary in the Congress's longest serving government and has never taken the initiative to conduct a caste census, but at present He is also loudly talking about the interests of these castes. I want to ask these government contractors that if you are really supporters of OBC-MBC then why don't you implement reservation in privatization, why don't you abolish the collegium system and appoint judges by forming a commission, why not MBC. -A free coaching center would be built for OBC children preparing for civil services. Why not promote them in their ancestral professions as well as in industry? Why not appoint MBC-OBC people to the posts of Chief Ministers, Governors and Ministers in Government of India and State Governments in proportion to their population? Why not MBC-OBCs? Would have implemented reservation in lateral entry for the students. Until they are able to do all this, it is not wise to make the mistake of considering MBC-OBC as chauvinists because even if it is late, this society is not going to fall into the clutches of vote contractors, although my writings make many contractors feel bad. It may seem so but if we talk about the reality, today governments need all the big industrialists including Adani-Ambani, MBC-OBC as well as Dalits on a large scale, whose votes are taken but apart from fooling in the name of share. Nothing is done.

Growing network of 'fake officers' who are 'looting people' in different ways

Till now only talk of fake food items, medicines, fertilizers, pesticides and fake currency etc. was heard in the country, but now this disease of fraud is reaching higher government posts. Till now only talk of fake food items, medicines, fertilizers, pesticides and fake currency etc. was heard in the country, but now this disease of fraud is reaching higher government posts. Recently there have been incidents of fake passports and transport officers, fake police, fake PMO. And now cases of ED (Enforcement Directorate) officers etc. have come to light, which clearly shows how much the disease of fraud is increasing in the country: * On October 13, CBI. Authorities raided 50 locations in West Bengal and Gangtok and registered a case against 24 people, including 16 government officials, for issuing passports on the basis of fake documents and issuing passports after taking bribes. In this connection, a senior officer and a middleman of 'Passport Seva Laghu Kendra' of Siliguri have been detained.* On October 13 itself, half a dozen car-riding miscreants attacked ED in Delhi. Pretending to be an officer, they entered a businessman's house and looted Rs 3.20 crore. In this connection, the police have arrested one accused Vicky (Sonipat) and the search for other accused is going on. * On October 13 itself, in Kanpur (Uttar Pradesh), by pretending to be a police officer, he called women from fake mobile numbers and blackmailed them by saying that complaints of obscene talk, video calls etc. were received against them on the Chief Minister's helpline number and in the name of settling the matter. But two miscreants were caught for demanding money from them online. Police seized 5 mobiles, 9 SIM cards, 4 ATMs, among other things, from their possession. Card, 2 Aadhar cards etc. recovered. On October 13, Dehradun (Uttarakhand) police arrested a fake IPS officer for pressurizing Kulhal outpost in-charge to send banned mining material. Officer arrested. On October 10, the police arrested a person for conducting a raid in 'Chiraiya Kot Bazaar' of Mau (Uttar Pradesh) in the name of campaign against polythene by posing as a high official from Lucknow and recovered 12 fake receipts and other items from his possession. Recovered. On October 9, the police filed a chargesheet against two clerks and a computer operator in the scandal of making fake arms licenses in Gorakhpur (Uttar Pradesh) and sent a report to the District Magistrate to take action, while 12 accused have already been booked in this case. Action has been taken. On October 7, in Gurugram (Haryana), the police arrested three youths who were extorting money from people by pretending to be crime branch officers. On October 7 itself, a case was registered against a person in Ramgarh (Jharkhand) for cheating shopkeepers by making fake food licenses and charging arbitrary amount from them. On October 5, in Mahoba (Uttar Pradesh), the Prime Minister's Office (PMO) and CBI presented themselves. The police arrested the person claiming to be an IAS officer and seized half a dozen fake cards and VVIP cards from him, including those from the Prime Minister's Office and the Office of the Chief Minister of Rajasthan. Cards recovered. On October 3, the police registered a case against a person in Raipur (Chhattisgarh) for making fake driving license online. During investigation, the license numbers of many people also turned out to be the same. It is clear from the above examples that how much the evil of counterfeiting is increasing in the country. Therefore, there is a need to take strictest action against such elements, so that they cannot harm the country and society.

Why is the oppression of women not stopping in the country?

Despite claims and laws for women's safety by the central and state governments, women in the country are still as oppressed and unsafe as they were before. Not a day passes when incidents of harassment of women in various forms do not come to light. Despite claims and laws for women's safety by the central and state governments, women in the country are still as oppressed and unsafe as they were before. Not a day passes when incidents of harassment of women in various forms do not come to light. In an incident similar to the Nirbhaya case of Delhi, in Ujjain, Madhya Pradesh, on 25th September evening, the miscreants, after raping a minor girl from Prayagraj, besides damaging her private parts, left her there in a semi-nude state. It is said that this girl wandered 8 kilometers here and there in a semi-nude condition for two and a half hours. When the police found her after being informed by the people, her clothes were stained with blood. The medical report has confirmed that she was raped. As his condition became critical, he was referred to Indore. Police have detained 5 people in this case, including a suspected auto driver, in whose auto traces of blood were found. During interrogation, he admitted to torturing the innocent child. Although Madhya Pradesh Police and Administration are being heavily criticized for this incident, but in just 5 days, apart from this, hair-raising incidents of women harassment have also come to light. * Three people, including a railway worker, were arrested for strangulating a teenage girl to death and then raping her body in Assam's Karimganj district on September 28. * The mother of a 15-year-old minor, who was kept for domestic work and was harassed by an Army Major and his wife, who were arrested in Assam's 'Dima Hasao' district on September 27, in her complaint to the police said that the accused couple was giving her daughter They kept him naked for hours, beat him, even poured boiling water on him and forced him to eat garbage. * On September 24, police sub-inspector Sudhir Pandey was suspended for raping a 35-year-old Dalit woman who had gone to seek police help in Prayagraj, Uttar Pradesh. * On September 23, a blood-soaked body of a 70-year-old woman, who had come out of her house to work as a labourer, was found in the fields of the village in Fatehpur Sikri police station of Agra in Uttar Pradesh. The police have registered a case of gang rape in this connection. * On September 23 itself, in the Khusrupur police station area of Bihar's capital Patna, Pramod was arrested by moneylender father-son Pramod and Anshu on the charges of stripping and beating a Mahadalit woman and urinating on her face, just for a loan of Rs 1500. . The woman alleges that her husband had borrowed Rs 1500 from Pramod Kumar Singh some time ago and he had already repaid the amount but despite this he kept demanding it. In view of similar incidents, Judge of Punjab-Haryana High Court, Honorable Justice B.S. A division bench comprising Justice Walia and Justice Lalit Batra, while hearing a case recently, said that "Rape shakes any woman, who was once a happy person, to the core and has to bear the pain throughout her life." "These are incidents of harassment of women that came to light in just 5 days in 4 different states.

अवैध कोचिंग सेंटर के खिलाफ एबीवीपी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे, किया विरोध प्रदर्शन

मुरादाबाद- महानगर में गली-गली कोचिंग सेंटरों की भरमार है। जबकि पंजीकरण सिर्फ 40 का ही है। जिनका पंजीकरण है इनमें भी अधिकांश विभागीय मानकों को पूरा नहीं करते। यानी छात्र-छात्राओं का जीवन दांव पर लगाकर कोचिंग क्लासेज संचालित की जा रही हैं। हालात इतने खराब है कि अधिकांश कोचिंग सेंटरों के पास पार्किंग की व्यवस्था तक नहीं है। जिस वजह से अक्सर सड़कों पर जाम देखने को मिलता है। लेकिन, शिक्षा विभाग ने इन्हें देख कर भी अनदेखा कर रखा है। वैसे तो कोचिंग सेंटर चलाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करना जरूरी है। मगर महानगर के कोचिंग सेंटर संचालक मनमानी कर रहे हैं। कुछ संचालक बिना अनुमति लिए धड़ल्ले से कोचिंग सेंटर का संचालन कर रहे हैं। खासकर ग्रामीण अंचल और छोटे कस्बों में ऐसे कोचिंग सेंटरों की तो भरमार है। हालात इतने भयावह हैं कि जिन कोचिंग सेंटरों ने पंजीकरण करा भी रखा है, उनके पास या तो अग्निशमन विभाग की एनओसी नहीं है या फिर वह विभाग के अन्य मानकों की अनदेखी कर रहे हैं। विभागीय कर्मचारियों की माने तो बिना एनओसी वाले कोचिंग सेंटरों का इस बार पंजीकरण नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। कोचिंग सेंटर के पंजीकरण हर दो साल में नवीनीकरण होता है। महानगर के अधिकांश कोचिंग सेंटर के पास पार्किंग व्यवस्था तक नहीं है। विद्यार्थी यहां सड़कों पर साइकिल और बाइक खड़ी करते हैं। जिससे अक्सर जाम की स्थिति देखने को मिलती है। लेकिन, अब ऐसे कोचिंग सेंटरों को चिह्नित कर कार्रवाई करने की बात विभागीय अधिकारियों की ओर से कही जा रही है। महानगर में बिना पंजीकरण और मानकों को पूरा किए बगैर चल रहे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चेकिंग के लिए विभागीय टीम का गठन किया गया है। जो पंद्रह दिन में जांच कर ऐसे कोचिंग सेंटरों को चिह्नित करेगी। रिपोर्ट के आधार पर कोचिंग सेंटर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। -अरुण कुमार दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक यह हैं मानक - कोचिंग संस्थान चलाने के लिए शिक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त कर नगरीय निकाय से अनुज्ञा लेनी जरूरी है। कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालन के जिए 3000 स्क्वायर फीट क्षेत्रफल न्यूनतम होना चाहिए। जहां कोचिंग सेंटर संचालित हो रहा है, वहां की सड़क की चौड़ाई कम से कम 40 फीट होनी चाहिए, स्वयं के कोचिंग सेंटरों पर दुपहिया और कार पार्किंग की भी व्यवस्था होनी चाहिए।छात्र-छात्राओं के अनुपात में अलग-अलग शौचालयों का होना जरूरी है। अग्निशमन की एनओसी नगर परिषद से होनी चाहिए।

अवैध कोचिंग सेंटरों के विरोध में सड़क पर उतरी विद्यार्थी परिषद

मुरादाबाद। महानगर में चल रहे अवैध कोचिंग सेंटरों के विरोध में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने जमकर नारेबाजी की। डीआईओएस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अवैध और मानकों को पूरा न करने वाले कोचिंग सेंटरों को बंद करने की मांग की। जिला विद्यालय निरीक्षक ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता पहले कलक्ट्रेट पर इकट्ठा हुए और फिर नारेबाजी करते हुए डीआईओएस कार्यालय पहुंचे। परिषद के प्रदेश सह मंत्री सचिन सिंह ने कहा कि शहर में कई कोचिंग सेंटर बिना मानक के संचालित हो रहे हैं। नामी कोचिंग सेंटरों में सरकारी शिक्षकों को पढ़ाने का आरोप भी लगाया। स्कूल समय में कोचिंग की क्लास चल रही हैं उधर, स्कूलों में बच्चों की फर्जी उपस्थिति लगाई जा रही है। अधिकारियों की साठगांठ के से कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं। यही कारण है कि कभी उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश सह मंत्री सचिन सिंह ने कहा कि दस दिनों में कार्रवाई नहीं होती है तो परिषद की ओर से आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर अमन शर्मा, अभिषेक चौहान, अक्षत शर्मा, अस्मिता चौधरी, सरल, सचिन राजपूत, निर्मल चंद्रा, पायल यादव, प्रियंका, विधि शुक्ला, गुंजन आदि मौजूद रहे।

गुलाबबाड़ी में गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा

राष्ट्रीय लोकदल महिला क्षेत्रीय अध्यक्ष ने की सफाई कराने की मांग

मुरादाबाद- महानगर के गुलाबबाड़ी वार्ड में गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा बना है।

इसे देखते हुए राष्ट्रीय लोकदल क्षेत्र रूहेलखंड महिला की क्षेत्रीय अध्यक्ष रौनक खान एडवोकेट के नेतृत्व में नगर निगम में प्रदर्शन कर सफाई कराने की मांग की गई। नगर आयुक्त को संबोधित ज्ञापन निगम के अधिकारी को सौंपा। इसके माध्यम से बताया कि गुलाबबाड़ी वार्ड में रेलवे लाइन की तरफ के घरों के सामने गंदगी का ढेर है।

कई महीनों से ऐसी स्थिति बनी है। जिससे टाइफाइड, डेंगू, मलेरिया आदि संक्रामक बीमारियों से बच्चे और बड़े बीमार पड़ रहे हैं। नगर आयुक्त से गुलाबबाड़ी क्षेत्र में कूड़ा उठान और सफाई कराकर फागिंग व एंटीलार्वा का छिड़काव कराने की मांग की। इस दौरान पूजा, रीमा, रजिया, रहमत जहां, ऊषा, रूखसार, सिमरन, रज्जो, रईस बेगम, आमना खातून, गुलाम रसूल, जकी मलिक आदि मौजूद रहे।

जर्जर सड़कों और बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी पर किसानों ने नाराजगी जताई

मुरादाबाद- कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें किसानों ने मूंढापांडे सहित अन्य क्षेत्रों में जर्जर सड़कों और बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से परेशानी पर नाराजगी जताई। वहीं क्षेत्र की समस्या उठाने को लेकर किसान आपस में भी भिड़ गए। किसानों ने खराब सड़कों की स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सीडीओ स्वयं या अपने अधिकारियों को मोटरसाइकिल से सड़कों पर चलकर देख लें, हकीकत खुद समझ में आ जाएगी। किसानों ने अधिकारियों पर गलत रिपोर्ट देने का आरोप लगाया। किसान नरेश ने कहा कि टावर कनेक्शन के लिए छह साल से एस्टीमेट के नाम पर लटकाया जा रहा है। बिजली विभाग के अधिकारी ने बताया कि अरविंद कुमार की लाइन बनने के बाद नरेश का एस्टीमेट बनेगा। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष मनोज चौधरी ने बिजली विभाग की ओर से आरडीएसएस योजना में कराए जा रहे कार्यों में लापरवाही पर सवाल खड़ा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों के अधिकारियों से कहा कि किसानों की समस्या प्राथमिकता पर निस्तारित कराने में गंभीरता बरतें। किसान दिवस में जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी राजेश्वर प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आजम खां, बेटे अबदुल्ला और पत्नी को 7 साल की सजा,

दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में रामपुर कोर्ट का बड़ा फैसला

मुरादाबाद- रामपुर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फात्मा को सात साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों को जेल भेजने का आदेश दिया। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आजम खां, अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फात्मा को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट के आदेश पर तीनों को सीधे जेल भेजा जाएगा।इससे पहले, बुधवार को ही कोर्ट ने मामले में तीनों को दोषी करार दिया था। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। लघु उद्योग प्रकोष्ठ के तत्कालीन क्षेत्रीय संयोजक एवं भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में गंज थाने में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो जन्म प्रमाणपत्र होने का मामला दर्ज कराया था, जिसमें सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा को भी आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने विवेचना के बाद मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। तीनों ही लोग इस समय जमानत पर चल रहे हैं। मामला एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। 11 अक्तूबर को इस मुकदमे में अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ताओं को बहस करनी थी, लेकिन उनके द्वारा कोर्ट में स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए अब्दुल्ला को आदेश दिया था कि वह 16 अक्तूबर तक लिखित बहस दाखिल कर सकते हैं। इस फैसले के खिलाफ जिला जज की कोर्ट में रिवीजन दायर की गई थी, जिसे एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था। मंगलवार को अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ताओं ने लिखित बहस दाखिल की। इसके बाद कोर्ट में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई है। कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया।

30 गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट का फैसला

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में कोर्ट 30 गवाहों और उपलब्ध दस्तावेजी सुबूतों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। दोनों ओर से 15-15 गवाह सुनवाई के दौरान पेश किए गए। पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र का यह मामला वर्ष 2019 में सामने आया था। उस समय भाजपा लघु प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक व मौजूदा समय में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने गंज थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज कराया था। आरोप था कि अब्दुल्ला ने अपने दो जन्म प्रमाणपत्र बनवाए है, जिनमें एक रामपुर नगरपालिका परिषद से, जबकि दूसरा प्रमाणपत्र लखनऊ नगर निगम से बनवाया। आरोप है कि उसका प्रयोग अब्दुल्ला आजम ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया। पुलिस ने मामले की जांच कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट में अभियोजन की ओर से मुकदमे के वादी विधायक आकाश सक्सेना समेत 15 गवाहों के बयान दर्ज हुए, जबकि अब्दुल्ला आजम, आजम खां व डॉ. तंजीन फात्मा की ओर से अपने बचाव में 15 गवाहों के बयान कराए। इसके अलावा अभियोजन की ओर से विधि व्यवस्थाओं के साथ ही हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में पारित निर्णय का भी हवाला दिया गया है। इन 30 गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

जन्मतिथि के फेर में जा चुकी है अब्दुल्ला की विधायकी

2017 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान अब्दुल्ला की ओर से जन्मतिथि का जो ब्योरा दिया गया था। उसे उस समय उनके निकटतम प्रतिद्वंदी रहे नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनका कहना था कि 2017 में चुनाव के समय अब्दुल्ला आजम की उम्र 25 साल से कम थी, जबकि चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने फर्जी कागजात और हलफनामा दाखिल किया था। हाईस्कूल की मार्कशीट और अन्य दस्तावेजों को आधार बनाया गया था। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद अब्दुल्ला की विधानसभा की सदस्यता को रद्द करते हुए चुनाव शून्य घोषित कर दिया था।

छजलैट प्रकरण में दोबारा चली गई थी विधायकी

सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम दूसरी दफा 2022 में स्वार टांडा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़े और वह जीत भी गए, लेकिन मुरादाबाद के छजलैट प्रकरण के 15 साल पुराने मामले में कोर्ट ने उनको दोषी ठहराते हुए 14 फरवरी 2023 को दो साल की कैद व तीन हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी दूसरी बार भी चली गई थी।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, मां की मौत, बेटा गंभीर

मुरादाबाद- तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई और बेटा व भाई घायल हो गये। राहगीरों ने ट्रक के चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। संभल जिले के गांव नरेटा निवासी अमीर जहां (37) पत्नी फारूक अपने भाई मुमसाद हुसैन पुत्र हुसैन बख्श निवासी घंसूरपुर थाना एचौड़ा कम्बोह के साथ बेटे शाहरुख को दवा दिलाने के लिए बाइक द्वारा नरेटा से मुरादाबाद जा रही थी। जैसे ही वह हाईवे पर लोदीपुर राजपूत गांव के सामने पहुंचे तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर जा गिरे। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बेटा शाहरुख़ गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने बच्चे एवं युवक को सड़क से उठाया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां बेटे की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक चालक को पकड़ लिया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नवरात्रि के महान पर्व पर गरबा की धूम इशाकपुर में

क्यूँ न लिखूँ सच
कारु लाल पाटीदार

मन्दसौर जिले के इशाकपुर गांव में गरबा की घूम देखने को मिल रहा है ऐसा बताया जा रहा है कि गरबा की शुरुआत गुजरात राज्य से शुरु हुआ है और अब पूरे भारत वर्ष में नवरात्रि के पावन पर जगह-जगह गरबा देखा जा रहा है इशाकपुर गाँव के वरिष्ठ जनों के द्वारा मीडिया को बताया की गरबा करने से मां की परिक्रमा के साथ-साथ भाईचारे का संदेश भी समाज में जाता है और अगर दो ती घंटे लगातार गरबा 9 दिन लगातार किया जाए तो शारीरिक जो कुछ पहले से बीमारी रहती है कुछ हद तक निजात पाया जाता है ऐसा ग्रामीणों का मानना है सभी छोटे बड़े अपने अपने परिवार के साथ इस महान पावन पर्व पर पंडाल में एक साथ गरबा करते हैं मां दुर्गा की 9 दिन में अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है आरती करने के बाद प्रसाद वितरण के बाद समापन किया जाता है आचार संहित का भी पालन किया जा रहा है। इशाकपुर नवदुर्गा मंडल समिति के सभी पदाधिकारी के द्वारा ज्यादा से ज्यादा लोगों को पंडाल में आने के लिए बताया जाता है और शांतिपूर्वक गरबा खेलने को समझाइए दी जाती है ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना घटे इशाकपुर सरपंच गोपाल गुर्जर ईश्वर सेन तमन्ना पाटीदार ? अर्जुन पाटीदार शिवलाल गुर्जर अरविंद पाटीदार के द्वारा नवरात्रि के कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की गई अपील

सिद्धार्थ तिवारी राज कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में हुए सामिल त्योंथर विधानसभा सीट से मिल सकता है टिकट

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों की मेहनत में फिरा पानी अपनी पूरी जिंदगी बी जे पी में साथ देने वाले कार्यकर्ताओ की मेहनत में फिरा पानी अब क्या होगा इन कार्य करताओ का क्या होगा वर्तमान विधायक का क्या होगा ,क्या श्यामलाल द्विवेदी को कहीं और से मिलेगी टिकट या फिर इनकी राजनीत यहीं से समाप्त हो जाएगा क्या विधायक जी भी बगावत कर सकते हैं क्या इन कार्यकर्ताओं का क्या होगा जो बी जे पी के उम्मीदवार कहलाने वाले थे उन नेताओं का क्या होगा जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी सौंप दिए भाजपा के लिए क्या त्यौंथर में विधायक बनने के लायक कोई नहीं थे आखिर उनके साथ इतना बड़ा दुर्व्यवहार क्यों कर रही है भाजपा क्या इस बार भाजपा के कार्यकर्ता कर सकते हैं बगावत जिन्हें कोई नहीं जानता था जो भाजपा के विपक्षी थे आज वह भाजपा प्रत्याशी बन गए हैं क्या इस तरह में भाजपा के पूर्व विधायक वर्तमान विधायक मंडल अध्यक्ष जनपद अध्यक्ष आखिर इनका क्या होगा जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी सौंप दी थी भाजपा के नाम इनके साथ इतना बड़ा धोखा क्यों पूछती है त्योंथर की जनता वर्तमान विधायक श्यामलाल द्विवेदी कौशलेश तिवारी देवेंद्र सिंह योगेंद्र प्रताप सिंह प्रशांत पाठक सोनम शर्मा ब्रह्म नारायण सिंह एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता लोग जिनकी वजह से देवघर में भाजपा बहुमत संख्याओं से जीतती थी आज उन्हीं के साथ इतना बड़ा दुर्व्यवहार क्यों आखिर कब तक चलेगा इस तरह तानाशाही जो 15 दिन पहले भाजपा की करते थे विरोध आज वही बन गए हैं भाजपा के विधानसभा प्रत्याशी जिन्होंने कहते थे कि मैं जनता के लिए भ्रष्ट भाजपा सरकार से लड़ता रहूंगा आज वह खुद ही भाजपा में शामिल हो गए तो क्या वह भी भ्रष्टाचार करेंगे पूछती है त्योंथर की जनता भाजपा सरकार द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के साथ किया गया बहुत ही बड़ा धोखा इसमें हो सकती है बगावत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित होकर कर सकते हैं बगावत सिद्धार्थ तिवारी का भाजपा में आना भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरे की छीन ली गई है रौनक उनके चेहरे में दिखी उदासी क्या होगा इन विचारों का जिन्होंने जिंदगी सौंपी थी भाजपा के नाम जन-जन की है यही पुकार विधानसभा टिकट मिले त्योंथर के प्रत्याशी को अबकी बार क्या यहां के भाजपा कार्यकर्ताओं में विधायक पद संभालने की हिम्मत नहीं थी किसी में देखिए बीजेपी क्या करती है त्योंथर की जनता के साथ

धोखाधड़ी करके व्यवसायी से साढ़े तीन लाख हड़पे, दंपती नामजद

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज = तालानगरी के एक व्यवसायी से दिल्ली के एक दंपती ने लेजर मार्किंग मशीन बेचने के बहाने तीन लाख 65 हजार रुपए ऐंठ लिए। इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली के रोहिणी इलाके के मूल निवासी राजेश कुमार शर्मा पुत्र यज्ञदत्त शर्मा हाल निवासी डी-103, सैक्टर-1 ताला नगरी के अनुसार उनके 50 वाट की लेजर मार्किंग मशीन का सौदा तरूणा कोहली पत्नी सुभाष कोहली निवासी सेक्टर तीन गांव नाहरपुर थाना रोहिणी से तीन लाख 65 हजार रुपये में तय किया था। तय शर्तों के अनुसार तरुणा व सुभाष चन्द्र की कम्पनी एटकोर टैक सेल्यूशन के एचडीएफसी बैंक के खाते में 22 अक्तूबर 2021 को एक लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए गए थे। इसके बाद 40 हजार और दिए लेकिन मशीन नहीं आई। आरोप है कि अब दोनों पति-पत्नी मशीन भेजने से मना कर रहे हैं साथ ही रुपए लौटाने में आनाकानी कर रहे हैं। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की थी, जिसके बाद दंपती के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

जटपुरा में पोखर के पास मिली लाश, प्रेम - प्रसंग के चलते हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज = विवाहित युवती से चल रहे प्रेम संबंध में बाधा बन रहे युवक का शव पोखर के पास पड़ा मिला युवक के पिता ने गांव के ही रहने वाले युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। क्या है पूरा मामला जटपुरा निवासी सोमवीर पुत्र लक्ष्मीनारायन की पत्नी से गांव के ही राहुल पुत्र चरन सिंह के अवैध संबंध थे। जिसकी जानकारी होने पर सोमवीर व उसके भाई रामप्रकाश ने आपत्ति जताई तो राहुल द्वारा बीच में ना पड़ने व जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। रामप्रकाश के पिता के मुताबिक पड़ोस में ही सगाई का प्रोग्राम था जहां से राहुल रामप्रकाश को अपने साथ बुला कर कहीं ले गया। जिसके बाद लक्ष्मीनारायन अपने घर चले गए सुबह उठकर देखा तो रामप्रकाश घर पर नहीं था घेर में भी तलाश किया लेकिन रामप्रकाश का कुछ पता नहीं चल सका। कुछ देर बाद सूचना मिली की रामप्रकाश की लाश राहुल के घर से कुछ दूरी पर पोखर के पास पड़ी हुई है। लक्ष्मीनारायन ने राहुल पुत्र कालीचरन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष हरदुआगंज रवि चंद्रवाल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, शव का पोस्टमार्टम करा दिया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करना सामने आया है, मामले की जांच की जा रही व जांच के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

विन्ध्य व्यापारी महासंघ ने सौपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- बाहर से आये हुए सेल के नाम पर दुकान लगाने वाले हिमांचल, तिब्बत एवं अन्य प्रदेशो के व्यापारियो (दुकान) को हटाने बावत रीवा विंध्य व्यापारी महासंघ के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है शीत ऋतु ठंडी का मौसम शुरू होते ही कुछ बाहरी व्यापारियो तिब्बत हिमांचल व अन्य प्रदेशो से आकर गरम कपड़ो का व्यापार हमारे रीवा शहर मे जगह जगह सेल के नाम से दुकान संचालित करने लगते है जिसकी अनुमति शायद नगर पालिक निगम, रीवा अथवा जिला प्रशासन द्वारा दी जाती है जिसके चलते रीवा शहर के थोक व फुटकर छोटे बड़े व्यापारियो का ऊलन, गरम कपड़ो का व्यापार पूरी तरह से बंद (ठप्प) पड़ जाता है एवं हर वर्ष हम शहर के तमाम व्यापारियो को मंदी (घाटा) के दौर से गुजरना पड़ता है । यह कि तिब्बती व्यापारियो के आने के कारण गर्म कपड़ो का व्यापार बहुत प्रभावित हो रहा है । तिब्बती शरणार्थी कानून की आड़ मे उल्लंघन कर थोक माल का व्यापार लुधियाना व अन्य बाजारो से लेकर करोड़ो रूपये का व्यवसाय करते है जबकि शरणार्थी होने के कारण इन्हे सीमित आयटम व कम मूल्य के आयटम का व्यापार करने की छूट शासन द्वारा शहर के बाहर प्रदाय की गई है । किन्तु उसकी आड़ मे इनके द्वारा वृहद तरीके से रीवा शहर के अन्दर करोड़ो रूपये का व्यापार किया जाता है जोकि नियम विरूद्ध है साथ ही सरकार को कर अपवंचन का भी घाटा होता है । अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि बाहर से आये कपड़ा व्यापारियो को शहर से बाहर कहीं अन्यत्र किया जाय अन्यथा हम शहर के सभी थोक फुटकर छोटे बड़े व्यापारियो को धरना प्रदर्शन, अनशन करने पर मजबूर होना पड़ेगा व बाहरी व्यापारियो, दुकानदारो को संचालित नही होने देंगे जिसकी समस्त जबाबदारी शासन, प्रशासन की होगी । हम शहर के समस्त व्यापारीगण आपसे निवेदन/ मांग करते कि बाहर से आने वाले व्यापारियो को रीवा शहर के बाहर कहीं भी अन्य स्थान पर दुकान लगाने, खोलने की अनुमति न दी जाय जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा ज्ञापन देने मे उपस्थित रहे विन्ध्य व्यापारी संघ के अध्यक्ष नरेश काली, महेश ठारवानी, कमलेश सचदेव,इलियास खान, पप्पू मंजानी, चंदी राम केसवानी, सुधांशु पाठक, संदीप गुप्ता, मनीष गहोई, पिंटू सोनी, नरेश छुगानी, अमित ठारवानी, अजय माधवानी, रामेश्वर सोनी,राजेश वाधवानी, विनोद पठान, श्याम वाधवानी, संजय चावला, अश्विनी वाधवानी, शिबू झामवानी, रवि झामवानी, अमित आहूजा, मनीष आहूजा,रोशन कोटवानी, दीपू खेमचंदानी, राजा खान, विकास गुप्ता, खान रहीम, तोफिद अंसारी, महेश गुप्ता, राजू खान, नाजम, तुल्ला खान, जावेद खान, सुनील जैन, इकरामुददीन, सोनू गुलजनानी, कमलेश पाण्डेय, विजय प्रकाश, प्रवीण कोटवानी, जयराम, सुनील हिवानी, महेश आहूज, विकास कोटवानी, खान रहीम, गोपीचंद, बाबू भाई, तुल्ला खान,दिलीप अवतानी, लाल भाई एवं असंख्य व्यापारीगण उपस्थित रहें ।

ठाकुर द्वारा बसंत विहार कॉलोनी में हुआ दुर्गा जागरण। माता रानी के भजन सुन झूमे भक्त

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी ट्ठ कस्बे के मोहल्ला ठाकुर द्वारा बसंत विहार कॉलोनी में मां भगवती का दुर्गा जागरण कराया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि मीरगंज क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय चौहान, भाजपा नेता सभासद धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू आदि ने पूजा अर्चना का कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। कलाकारों ने रात भर भजन प्रस्तुति कर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जानकारी के अनुसार मोहल्ला ठाकुर द्वारा बसंत विहार कॉलोनी वार्ड नंबर 4 में भाजपा नेता सभासद धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू ठाकुर राज आइसक्रीम बालों ने अपने साथी सहयोगियों के साथ मिलकर प्रथम बार विशाल दुर्गा जागरण कराया गया। बरेली से आये पंडित आचार्य किशोर शर्मा ने माता रानी का भव्य दरबार सजाकर कलश स्थापित कर माता रानी की ज्योति जलाई उसके पंडित जी ने बाद विधि विधान से पूजा अर्चना एवं मंत्र उच्चारण कर पूजन कराया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि मीरगंज क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा ने पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। उसके बाद तरुण दुर्गा जागरण एंड पार्टी के द्वारा रात भर गायक कलाकारों के द्वारा माता रानी के भजनों का गुणगान किया गया। माता रानी के भजन सुन भक्तगण मधु मुक्त हो गए। और माता रानी के जयकारे लगाकर नाचने गाने लगे। सुबह 4 बजे पंडित जी ने माता तारा रानी की कथा (श्रवण) सुनाई गई। उसके बाद पूजा अर्चना और आरती करने के बाद माता रानी को चना हलवा का भोग लगाकर सभी भक्तजनों प्रसाद वितरण कराया गया। इस अवसर पर मीरगंज विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय चौहान, अध्यापक सुनील शर्मा, भाजपा नेता संजीव शर्मा, कन्हैया लाल सक्सेना, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, सभासद प्रदीप गुप्ता, सभासद प्रेम कोरी, पंकज शर्मा, दुर्गपाल सिंह, सभासद धर्मेंद्र सिंह उर्फ मोनू, सुमित उपाध्याय, विजय सक्सेना, गौरव मिश्रा, राहुल शर्मा, प्रभात ठाकुर, गुड्डू गंगवार, सौरभ शुक्ला, अजय सिंह, रवि ठाकुर, रोहित उपाध्याय, सूरज गोस्वामी, सोनू ठाकुर आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अलीगढ़ आगमन पर तैयारी जोरों पर

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अलीगढ़ आगमन है तैयारी जोरों पर हैं भाजपा किसान मोर्चा के पुरी जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि सभी कार्यकर्ता किसान एवं समर्थन समय से नुमाइश ग्राउंड में होने वाले मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम में समय से पहुंचने का कष्ट करें यह मुख्यमंत्री जी का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा माननीय मुख्यमंत्री जी अलीगढ़ को स्मार्ट सिटी की सौगात दे सकते हैं परदेस में सबसे पहले मुख्यमंत्री हैं जो उत्तर प्रदेश में इतना विकास कार्य कराया है अनु भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का कार्यक्रम है माननीय मुख्यमंत्री जी इसमें भाग लेंगे इस कार्यक्रम में कई जिलों के किसान शामिल होंगे भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री जी कार्यक्रम में देर तक रुकेंगे इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा किसान मोर्चा महानगर की पूर्व कमेटी पूरी ताकत लगाए हुए हैं

दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित भाव से काम कर रहा है राजरानी सेवा संस्थान - सिद्धार्थ श्रीवास्तव

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- भारतीय पुनर्वास परिषद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय न्यास द्वारा मान्यता प्राप्त राजरानी सेवा संस्थान, विजय सिंह मेमोरियल ट्रेनिंग रिसर्च और पुनर्वास संस्थान रीवा में दो दिवसीय राष्ट्रीय सतत पुनर्वास शैक्षणिक कार्यक्रम (ष्टक्रश्च) का गरिमामय समापन हुआ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं प्रख्यात कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव रहे! जबकि अध्यक्षता राजरानी सेवा संस्थान की संस्थापिका श्रीमती रानी सिंह ने की! विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज़सेवी श्लेषा शुक्ला, पर्यावरण वाहिनी संस्था की प्रमुख शशि श्रीवास्तव, साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट वेंकटेश्वर उपाध्याय, राजरानी संस्था के अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह एवं संस्था संचालक नरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे! सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन अर्चन किया! इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज़सेवी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि- 卐 राजरानी सेवा संस्थान वास्तव में दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित भाव से काम कर रहा है! बच्चों के जीवन की दशा और दिशा बदलने का कार्य कर रहा है ये वास्तव में प्रशंसनीय एवं सराहनीय है! संस्था के प्रयासों से बच्चे सांस्कृतिक कार्यकमों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे है! ये उनकी जीवटता और जिजीविषा में वृद्धि कर रहा है मैं संस्था के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस पावन पुनीत एवं पुण्य कार्य के लिए हार्दिक साधुवाद देता हूँ卐 कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य अनीता विश्वकर्मा द्वारा किया गया! कार्यक्रम में विशेष रूप से शिक्षक संजय मिश्रा प्रयागराज, अरुण सिंह कोलेपुर मिर्जापुर, अमिता सिंह, आरती पटेल, दीप्ति सिंह, साधना पांडेय, एम. राधाराव, पूनम मिश्रा, कीर्ति शुक्ला, पूनम पांडेय, शिवानी पांडेय, अंचल मिश्रा, कोमल चर्मकार, अंजना सिंह, नेहा साकेत, रूबी पांडेय, नीतू सिंह, अल्पना पांडेय, तरन्नुम निशा, राजेश सिंह, युवराज सिंह, तिलक राज सिंह, कृष्णा राज सिंह सहित विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रतिभागी, विशेषज्ञ एवं वक्ता उपस्थित रहे!

कस्बे में राम बारात के साथ निकाली गई शोभायात्रा। मेला मंच पर हुई चार गरीब कन्याओं की शादी

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी ट्ठ कस्बे में आज बड़ी ही धूमधाम से निकली गई राम बारात उसके बाद मेला मंच हुआ चार गरीब कन्याओं का विवाह। जानकारी के अनुसार रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता उर्फ अन्नू लाला ने बताया हर साल की तरह इस साल भी मेला कमेटी की ओर से बड़ी धूमधाम के साथ कस्बे में राम बारात निकाली गई राम बारात का कस्बे वासियों ने फूल वर्षा का स्वागत किया। सर्वप्रथम भगवान श्री राम की झांकी की आरती उतारी गई। उसके बाद शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभा यात्रा के दौरान फूलों की होली खेलते हुए बैंड बाजा के साथ नाचते झूमते हुए सैकड़ो श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। राम बारात शोभा यात्रा पंजाब बैंक के पास प्रकाशी लाला के मंदिर से शुरू होकर कस्बे की मेन बाजार होते हुए लोधी नगर चौराहे से भिटौरा पुलिया तक श्रीराम बारात शोभा यात्रा निकाली गई। उसके बाद शोभा यात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा में राम सीता, हनुमान, राधा कृष्ण, शंकर पार्वती की झांकियां का आकर्षित का केंद्र रही। राम बारात शोभायात्रा के दौरान कस्बे के वरिष्ठ व्यापारी विनोद अग्रवाल, नरेश ऐरन, दौलत राम गुप्ता, कैलाश अग्रवाल, सत्य प्रकाश अग्रवाल, सुधीर पोरवाल, प्रेम प्रकाश गर्ग, यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज की प्रबंधक रमन जायसवाल, मंडल अध्यक्ष संजय चौहान, मेला महामंत्री महिपाल सिंह, सुनील पांडे, कमल गुप्ता, प्रेम प्रकाश गर्ग, सुरेश कुमार गुप्ता, सभासद प्रदीप गुप्ता, पंकज शर्मा, राजकुमार कश्यप, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, सभासद ठाकुर संजीव सिंह, जतिन अग्रवाल, सुबोध पोरवाल, आकाश गंगवार, जीतू गुप्ता, शशांक गुप्ता उर्फ मोनू आदि कस्बा वासी राम बारात में रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अलीगढ़ आगमन पर तैयारी जोरों पर

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद नगर में निकली श्रीराम बरात का जगह-जगह स्वागत कर पुष्पवर्षा की गई। बरात में काली का अखाड़ा व झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।नगर में लोहाई रोड़ से मंगलवार रात श्री राम बरात निकाली गयी7 भगवान गणेश, श्रीराम लक्ष्मण सहित देवी देवताओं के स्वरूपों की पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। राम बरात मुख्य मार्ग पर बैंड बाजों के साथ घुमाया गया। बारात में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, गुरु विश्वामित्र, राजा दशरथ, भगवान गणेश, भगवान शंकर, मां दुर्गा, नीम करोरी बाबा, परशुराम, भगवान कृष्ण, चन्द्रदेव, जगन्नाथ, देवी देवताओं की 21 झांकियों का लोगों ने जगह जगह पूजन कर स्वागत किया। बरात में लोगों ने छतों से पुष्पवर्षा की। काली के अखाड़ा की झांकी में मुंह से आग निकालने सहित कई करतब आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं राधा कृष्ण की नृत्य करती झांकी ने लोगों का मन मोह लिया।व्यवस्थापक दीपक मिश्रा व महामंत्री प्रबल त्रिपाठी प्रमुख रूप से रहे

रिठौरा से चार सदस्यीय जत्था उमरा, बगदाद शरीफ़ की यात्रा को हुआ रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा नगर के भोजीपुरा मार्ग मोहल्ला खेड़ा से उस्मान खान उर्फ़ लल्ला बाबू उमरा करने को रवाना हुए, वहीं हाजी डॉक्टर माजिद अली नूरी, हाजी मंसूफ,नखरू आदि बगदाद शरीफ की यात्रा को बुधवार को रवाना हुए।इस मौके पर शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता,हाजी शाकिर अंसारी, रहमान खान,रहीम खां, रियासत खां, इमरान खान,आरिफ अंसारी, बिक्की, अफ़सर अली,आविद अली, रेहान, मौलाना कौनैन नूरी, अब्दुल मजीद खां आविद हुसैन, बब्लू, जुनैद खान माहिर अली, मुशर्रत अली सहित भारी संख्या में लोग ने फ़ूल -माला पहनाकर सभी को विदा किया।

फर्जी नंबर प्लेट वाली चोरी की मोटर साईकिल सहित एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा
एटा- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा आज दिनांक 18.10.2023 को चैकिंग के दौरान अभियुक्त सीलू उर्फ सुरेन्द्र पुत्र रामवीर निवासी नगला कोठी थाना सिकन्द्राराऊ जिला

हाथरस को फर्जी नम्बर प्लेट वाली चोरी की मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर एटा पर मुअसं0- 763/2023 धारा 420/414 भादवि0 पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की

आल इंडिया सिक्स यार्डस वीवर्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की थीम के तहत हुआ वृहद गरबा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी
रीवा आल इंडिया सिक्स यार्डस वीवर्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन व ओम साईं राम डांस अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में जलसा इन् में सम्पन्न हुई।प्रथम सत्र में गरबा लहरियो के तहत लगभग पंद्रह टीमो ने गरबा प्रतियोगिता में भाग लिया।रंग बिरंगे परिधानों में सजे हुए प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी निर्णायक के रूप में हेमा सिंह वरिष्ठ समाजसेवी, सत्येंद्र सिंह सत्यार्थी फिल्म्स और शिव कुशवाहा वरिष्ठ नृत्य निर्देशक उपस्थित रहे।प्रथम पुरस्कार इग्यारह हज़ार और ट्रॉफी के साथ स्टाइलिश डांस ग्रुप के नाम हुई,द्वितीय पुरस्कार इक्यावन सौ और ट्रॉफी शाइनिंग ग्रुप ने अपने नाम किया और तृतीय पुरस्कार इकीस सौ और ट्रॉफी किंग डांस ग्रुप को मिली।गरबा क्वीन कविता सिंह व गरबा किंग गौरव बाजपेई को एक हजार व ट्रॉफी के साथ मिला।इसके अलावा नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजीव वर्मा,विशाल सोंधिया,हिमांशु श्रीवास्तव व बादल सिंह को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण तीनो निर्णायक व सिक्स यार्डस की समस्त

पदाधिकारियों द्वारा किया गया।तत्पश्चात माता रानी की मनमोहक झांकी के सामने महाआरती की गई व 108 दियों को जलाकर ग्रुप की महिलाओं ने सभी की ख़ुशहाली मांगी।उसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसके बाद जैसा कि इस गरबा आयोजन की इस बार की थीम थी मतदाता जागरूकता इसमें लगभग 200 छात्र छात्राओं ने स्लोगन व शपथ जिसे करवाई नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने शपथ ली कि इस विधानसभा चुनाव में में हम अपने मतों का निष्पक्ष रूप से उपयोग करेंगे और ज्यादा से ज्यादा लोगो को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे,इस बीच मतदाता जागरूकता गीत पर गरबा भी किया गया।इसके पश्चात सिक्स यार्डस की नवगठित सदस्यों की घोषणा हुई जिसमें अध्यक्ष के रूप में चेतना मिश्रा, उपाद्यक्ष संगीता सिंह तिवारी व डॉ आरती तिवारी, सचिव शिखा सिंह, सह सचिव रचिता खंडेलवाल,कोषाध्यक्ष डॉ नीलम पांडेय, सह कोषाध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ सत्या प्रभारी, सह सांस्कृतिक प्रभारी सीमा शर्मा, दृष्ट सदस्यों के रूप में, तम्मना अंसारी,संध्या शुक्ला, गुरप्रीत, आभा सिंह, गीता शुक्ला और दीपा पांडेय को चुना गया जिन्हें आई डी व प्रशस्ति पत्र देकर शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महिला बाल विकास अधिकारी प्रतिभा पांडेय सिक्स यार्डस की समस्त टीम के साथ शहर की असंख्य महिलाएं महिलाएं बच्चे उपस्थित रहे जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को खूब हर्ष और उल्लास के साथ आनंद उठाया।कार्यक्रम का संचालन डॉ आरती तिवारी डॉ शिखा सिंह व आभार रचिता खंडेलवाल द्वारा किया गया।

तिकोना चौकी में तैनात दो सिपाहियों की खुलेआम गुंडई

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप
फर्रुखाबाद - तिकोना चौकी में तैनात दो सिपाहियों की खुलेआम गुंडई पुलिस की वर्दी के रॉब कर रहे हैं खुलेआम गुंडागर्दी राम बारात यात्रा में पुलिस व्यवस्था हुई ध्वस्त सादा वर्दी में तिकोना चौकी पुलिस की खुलेआम गुंडागर्दी मीडिया के कैमरे में कैद खुलेआम आम पब्लिक में मौज कर सेल्फी लेते नज़र आये उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही लोग लगातार सेल्फी के वीडियो कर रहे वायरल बारात में युवक को पकड़कर जबरन गाड़ी में ठूसते नजर आये दबंग सिपाही कई और मामलों में दंबग सिपाही सोनू और दबंग सिपाही अभिषेक चर्चा में पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख के बाद भी फर्रुखाबाद पुलिस के सिपाही सुधारने को नहीं है तैयार कवरेज करते मीडियाकर्मी का पुलिस ने जबरन मोबाइल भी छीना पुलिस की कार्यशैली पर लगातार लोग उठा रहे सवाल तिकोना चौकी क्षेत्र सेंसिटिव इलाका होने के बावजूद भी चौकी इंचार्ज कई घंटो रहे गायब फर्रुखाबाद के पक्कापुल चौराहा का मामला

भरतपुर में दबिश दी ,10 लीटर अवैध कच्ची शराब नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच -हारुन बख्श
फर्रुखाबाद - जनपद-फर्रुखाबाद आबकारी आयुक्त, उ0प्र0 महोदय के आदेश एवं जिलाधिकारी,फर्रूखाबाद के निर्देश पर विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिला आबकारी अधिकारी, फर्रूखाबाद के पर्यवेक्षण में जनपद में आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-3 सचिन त्रिपाठी, मय स्टाफ मोहम्मदाबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम-भरतपुर में दबिश दी गई। 10 लीटर कच्ची अवैध शराब बरामद कर सुसंगत धारा में अभियोग पंजीकृत किया गया।

ईंट-भट्टो की जॉच की गई।आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 राजेश कुमार चौबे मय स्टाफ कोतवाली-कायमगंज मे ग्राम चौकीदारों के साथ बैठक की गई। अवैध/जहरीली शराब के दुष्प्रभाव के सम्बंध मे पोस्टर वितरित किए गए।तत्पश्चात मन्डी चौकी इन्चार्ज कृष्ण कुमार कश्यप मय स्टाफ के साथ संदिग्ध ग्राम-श्यामनगर एंव प्रेमनगर मे दबिश दी गई।श्याम नगर में लगभग 100 किलोग्राम लहन नष्ट कर,20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। प्रेम नगर मे 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर एक अभियुक्त(वीरेंद्र राजपूत पुत्र लाला वर्मा)को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। दुकानो का निरीक्षण किया गया।दुकानों से गोपनीय टेस्ट परचेस कराई गई, सभी दुकानो पर से बिक्री निर्धारित मूल्य पर होते मिली।विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि शत प्रतिशत बिक्री क्यूआर-मशीन से ही करें। जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण/बिक्री/परिवहन की रोकथाम हेतु प्रवर्तन कार्य निरंतर जारी रहेगा।

पुलिस ने ग्राम अदिउली निवासी वृद्ध चंद्रपाल सिंह ठाकुर की हत्या का खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच हारुन बख्श
फर्रुखाबाद - थाना मऊदरवाजा पुलिस ने ग्राम अदिउली निवासी वृद्ध चंद्रपाल सिंह ठाकुर की हत्या का खुलासा कर दो हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया एक फरार है वृद्ध ग्रामीण चंद्रपाल

सिंह हत्याकांड में दो हत्यारोपी गिरफ्तार,एक फरार पुलिस ने थाना मऊ दरवाजा छेत्र में पिछले दिनों वृध्द ग्रामीण चंद्रपाल सिंह हत्याकांड का सफल अनावरण करते हुए आज बुधवार को दो हत्यारोपी को गिरफ्तार किया। यह जानकारीअपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में प्रेस वार्ता में दी।अपर पुलिस डा. सिंह ने बताया कि थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र में 14/15 अक्टूबर 2023 की रात्रि में थाना क्षेत्र के ग्राम अदिउली निवासी वृद्ध ग्रामीण चंद्रपाल उम्र करीब 60 वर्ष की ईट से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। जिसमे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

बिहारपुर के महुली गांव में स्थित गढवतिया मां दुर्गा का मंदिर सुविधाओं के अभाव में जीर्णशीर्ण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल
जिले के दूरस्थ क्षेत्र चांदनी - बिहारपुर के महुली गांव में स्थित गढवतिया मां दुर्गा का मंदिर सुविधाओं के अभाव में जीर्णशीर्ण है। यहां नवरात्र के समय दर्शन करने के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ समेत विभिन्न जगहों से लोग पहुंचते हैं। इसके बाद भी पहाड़ पर स्थित मां के दरबार तक जाने के लिए रास्ता तक नहीं बनाया गया है। ग्रामीणों ने खुद ही पहल कर कुछ दूरी तक सीढ़ियां बनाई, लेकिन वह नाकाफी साबित हो रही हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन से शिकायत भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मां के दर्शन को आने वालेभक्तों की संख्या भले ही निरंतर बढ़ रही हो, लेकिन सुविधाओं की कमी लगातार बनी हुई है। सूरजपुर जिला मुख्यालय से 125 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम महुली के गढ़ वतिया पहाड़ पर मां अष्टभुजी का दरबार है। यहां बहुत पहले से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और चैत्र व शारदीय नवरात्र में यहां मेले का आयोजन भी किया जाता है। लेकिन सुविधाओं के अभाव में भक्त परेशान हो रहे हैं। यहां न तो बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था है। यहां तक की मां के धाम तक पहुंचने के लिए रास्ता भी नहीं बना हुआ है। ग्रामीणों ने कुछ साल पहले सहायता राशि इकट्ठा कर सीढ़ी की व्यवस्था कराई, लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं बन पाई हैं। वर्तमान में शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ हर रोज उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां जो भी भक्त माता के दरबार में आता है उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। भक्त श्रद्धा से नारियल चुनरी चढ़ाते हैं और

मन्नत मांगते हैं। गढ़वतिया धाम के मुख्य पुजारी सोमारसाय व जगमोहन ने बताया कि माता के भक्त श्रद्धा भाव से जो भी अर्पण करते है, माता उनकी मनोकामना जरूर पूरी करती हैं। इस धाम का आकर्षण का केंद्र यह है कि यहां प्राचीन मूर्तियों का विसाल भंडार है। लेकिन, प्राचीन मूर्तियां संरक्षण के अभाव में टूटी पड़ी हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से माता के धाम में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराने की मांग की है। गढ़वतिया में पूरे पहाड़ में प्राचीन मूर्तियों का भंडार है, लेकिन संरक्षण के अभाव में बहुत सारी मूर्तियां टूट चुकी हैं और अस्त-व्यस्त बिखरी हुई हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मूर्तियों के संरक्षण व मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करवाने की मांग की है। दर्शनीय स्थल होने के बावजूद भी अभी तक प्रशासन ने ना तो बिजली की व्यवस्था की है और न ही की कोई व्यवस्था है। इसके साथ ही पहाड़ी पर चढ़ने के लिए सीढ़ियों तक की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों ने मंदिर को दर्शनीय स्थल घोषित कर पुरातत्व विभाग को सौंपने की मांग की है। महुली गांव के पहाड़ में मिले दसवीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष.. सरगुजा संभाग मुख्यालय से करीब 175 किलोमीटर दूर सूरजपुर जिले के बिहारपुर क्षेत्र के गढ़वतिया पहाड़ी पर कई सदी पुराने स्तंभ मिले हैं। पहाड़ी के नीचे खाई में ऐसे कई अवशेष बिखरे पड़े हैं। काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों में कुछ तो सही स्थिति में है, लेकिन कुछ जानकारी व सुरक्षा के अभाव में नष्ट होते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पुरातात्विक धरोहर में महुली के गढ़वतिया पहाड़, सीता लेखनी पहाड़ के शिलालेख और लक्ष्मण पंजा, चपदा गांव की गुफा, जोगी माड़ा, कुदरगढ़ के शैलचित्र शामिल हैं। पहाड़ पर मौजूद हैं काले पत्थर से बने शिवलिंग पहाड़ी पर काले पत्थरों में बने शिवलिंग भी हैं। यहां इस तरह के लगभग 100 से अधिक पत्थर हैं। जब इन स्तंभों को देखा गया तो पाया कि काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों के मध्य भाग में शिवलिंग बने हुए हैं। इसके दोनों ओर उमा महेश के दो उपासक वंदना की मुद्रा में दिखाए गए हैं। उनके ठीक ऊपर अभय की मुद्रा में हाथ उत्कीर्ण है। हाथ के दोनों ओर सूर्य और चांद की आकृति बनी हुई है और सबसे ऊपरी सिरे पर कलश की आकृति बनी हुई है। इनकी विशेषताओं के आधार इनका निर्माण काल संभवत: 9वीं सदी से 12वीं सदी के बीच का माना जा सकता है। राजा बालम ने बनाया था किला और मंदिर सोमार साय बैगा ने बताया कि पहाड़ी पर शिव, गणेश, हनुमान, महिषासुर मर्दनी की मूर्ति भी देखने को मिलती हैं। इसे देखकर लगता है कि यहां कोई प्राचीन गढ़ रहा होगा। इसलिए इसका नाम गढ़वतिया पहाड़ पड़ा। मान्यता है कि इस पहाड़ी पर राजा बालम ने किला व मंदिर बनवाया था। राजा खैरवार जाति के थे, इसलिए पहाड़ी देवी की पूजा खैरवार जाति के बैगा ही करते हैं मां गढ़वतिया का सफल कहानी सरगुजा अंचल की आराध्य देवी माँ गढ़वतिया माई - नवरात्रि विशेष इतिहास, प्राचीन इतिहास, लोक संस्कृति, कहानी। भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश के दक्षिणपूर्व भाग में छत्तीसगढ़ राज्य स्थित है। यह राज्य प्राचीन काल से गौरव का प्रतीक बना हुआ है। छत्तीसगढ़ के उत्तरांचल में आदिवासी बहुल संभाग सरगुजा है। यहाँ की प्राकृतिक सौम्यता, हरियाली, ऐतिहासिक व पुरातात्विक स्थल, लोकजीवन की झांकी, सांस्कृतिक परंपराएं, रीति-रिवाज, पर्वत, पठार, नदियाँ कलात्मक आकर्षण बरबस ही मन को मोह लेते हैं। सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिला अन्तर्गत बिहारपुर (चांदनी) क्षेत्र में प्राचीन पुरातात्विक गांव महुली है। यह गांव सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर से लगभग 170 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है। इस गांव के समीप 1500 मीटर ऊंची गढ़वतिया पहाड़ी पर सरगुजा अंचल की आराध्य देवी मां गढ़वतिया दाई (महिषासूर मर्दनी अष्टभूजी देवी) विराजमान हैं।गढ़वतिया पहाड़ पर विराजमान गढ़वतिया देवी आसपास गावं के लोगो की पूजित देवी हैं। लोगों की मान्यता है कि यहां से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता है। महुली गावं धार्मिक दृष्टि से जितना प्रसिद्ध है। कहीं उससे ज्यादा प्रसिद्ध पुरातात्विक दृष्टि से है। इस गांव की गढ़वतिया पहाड़ी पर प्राचीन गढ़ के अवशेष, अनेक प्रतिमाएं, पत्थर की गुफा, हवन कुण्ड और लगभग 100 सती स्तंभ यत्र-तत्र बिखरे पड़े हुये हैं। इन्हें देखने से 9वीं से 11वीं सदी के लगते हैं। सुरक्षा और संरक्षण के आभाव में ग्रामीण चरवाहां के द्वारा इन्हें तोड़ दिया जा रहा है। कुछ लोग तो उठा कर अपने घर भी ले जाते हैं। गढ़वतिया पहाड़ी के समीप से बारह मासी हडौरा नदी बहती है। गढ़वतिया दाई (महिषासुर मर्दनी) गांव का परिचय - महुली प्राचीन गांव है। यह गांव ग्राम पंचायत भी है।इस गावं की जनसंख्या 1600 है। घरों कि संख्या 265 है। जायसवाल कलार खैरवार पन्डो जनजाति बहुल गांव महुली मे लगभग 100 घर खैरवार जनजाति की है । इस गावं में हाई स्कूल उप स्वास्थ्य केंद्र भी है। गांव मे जंगल विभाग का रेस्ट हाउस है, किन्तु सही स्थिति में नहीं है। गांव के दक्षिण छोर में गढ़वतिया पहाड़ी के समीप एक धर्मशाला भी है, जो अच्छी स्थिति में है। महुली गांव के उत्तर पश्चिम में मध्य प्रदेश की सीमा लगती है। इस गांव से लगभग 3 किलो मीटर की दूरी पर मध्यप्रदेश का बडगढ़ गांव है। महुली से लगभग 30 किलोमीटर कि दूरी पर उत्तर दिशा में सिंगरौली उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले की सीमा लगती है। इस गांव के उत्तर पूर्व में झारखण्ड राज्य की सीमा लगती है। महुली गांव से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर पूर्व दिशा में सरगुजा संभाग का प्रसिद्ध जलप्रपात रक्सगण्डा है, जो रेण्ड नदी पर बनता है। महुली गांव पहुच मार्ग- बिहारपुर (चांदनी) क्षेत्र का प्रसिद्ध पुरातत्विक स्थल महुली गांव पहुचने के लिए दो रास्ते हैं। एक मार्ग सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर से वाड्रफनगर- बलंगी बैढ़न सिंगरौली सूरजपुर ओडगी रामगढ़ कोरिया रोड़ होते जाता है। इस मार्ग से लगभग 170 किमी है। अम्बिकापुर से वाड्रफनगर की दूरी 100 किमी है। बलंगी मार्ग पर वाड्रफनगर से गुंढरू चौक की दुरी 42 कि.मी. है।रहस्य छुपे हुए हैं। साथ हीं गढ़वतिया माई ग्रामीणों के मन एवं हृदय में काफी गहराई तक बसी हुई हैं। यहाँ बिखरे हुए पुरातात्विक अवशेष अपना इतिहास स्वमेव बखान करते हैं।

आजीविका मिशन जवा का विकासखंड अधिकारी कर रहा है भ्रष्टाचार

कलेक्टर रीवा से जांच करकार्यवाही की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच
अखिलेश तिवारी
मध्य प्रदेश की रीवा जिले के विकासखंड जवा में काफी लंबे वर्षों से तैनात विकासखंड अधिकारी आजीविका मिशनके द्वारा व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है और किया जा रहा है बताते हैं कि ओवरी दोदर कोटवा गांव में निर्माण कार्य शौचालय निर्माण के नाम पर बरसों पूर्व व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है वर्तमान समय में विकासखंड अधिकारी के द्वारा ग्राम बौसडवामें शिवपूजन स सहायता समूह के अध्यक्ष एवं सचिव को भ्रष्टाचार करने की खुली छूट देकर कमीशन खोरी कर रहा है इस भ्रष्ट अधिकारी के द्वारा जांच कार्यवाही नहीं की जा रही है बताते हैं कि शिवपूजन स्वा सहायता समूह के अध्यक्ष सचिव के द्वारा पांच सदस्यों का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर प्रस्ताव तैयार करके शासकीय उचित मूल्य की दुकान में सेल्समैन की नियुक्ति की गई है और खाते से पैसा निकाल लिया जाता है तथा अगर कोई सदस्य विरोध करता है तो उसे बिना बैठक बुलाई फर्जी हस्ताक्षर बनाकर विकासखंड अधिकारी से मिलकर समूह से हटा दिया जाता है कहा जाता हैं शिकायत किया गया था कलेक्टर रीवा से शिकायत किया गया जिला पंचायत रीवा मे शिकायत किया गया सीईओ जवा द्वारा कई माह पूर्व विकासखंड अधिकारी आजीविका मिशन को जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया किंतु आज तक जांच कार्यवाही नहीं की गई फर्जी हस्ताक्षर बनाने वाले अध्यक्ष सचिव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा कलेक्टर रीवा का ध्यान आकृष्टकरते हुए भ्रष्ट विकासखंड अधिकारी आजीविका मिशन जवा एवं शिवपूजन स्व सहायता समूह बौसडवा के अध्यक्ष सचिव के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की गाई है

24 अक्टूबर 2023 राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण एवं शस्त्र पूजन समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौहान (बबलू) ने प्रेस वार्ता के दौरान अवगत किया कि जनपद एटा में 24 अक्टूबर 2023 को विजयदशमी के पावन पर्व पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष ठा. गजेंद्र सिंह चौहान (बबलू) के नेतृत्व में महाराणा प्रताप चौक शहीद स्मार्क रेलवे पुल के ऊपर कासगंज तिराहे पर समय करीब मध्याह्न 12 बजे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह की प्रतिमा का अनावरण जयवीर सिंह कैबीनेट मंत्री पर्यावरण एवं संस्कृति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के करकमलों द्वारा किया जायेगा। इस कार्यक्रम में देशभर से क्षत्रिय बंधु को आमंत्रित किया गया हैं। जिसमें ख्याति प्राप्त कवि राणा मुनिप्रताप राष्ट्रीय कवि हाथरस, राम भदावर राष्ट्रीय कवि इटावा एवं श्रीमती समीक्षा सिंह राष्ट्रीय कवियत्री कासगंज,आदि। मुख्य अतिथि ठा.जयवीर सिंह पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री,ठा.जयवीर सिंह विधायक पूर्व कैबीनेट मंत्री,मानवेन्द्र सिंह (गुरुजी) पूर्व एमएलसी (स्नातक),ठा.जितेंद्र चौहान अंतराष्ट्रीय निदेशक लायंस क्लब,ठा.सत्यपाल सिंह राठौर विधायक अलीगंज एटा,ठा. ओमप्रकाश सिंह एमएलसी स्थानीय निकाय,आदि। इस अवसर पर ठाकुर सुनील सोलंकी,अनुज चौहान आदि उपस्थित रहे।

दो मोटरसाइकिलों में हुई जोरदार भिड़ंत,तीन लोग गंभीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी जिले के मऊरानीपुर में बीती रात मऊरानीपुर स्टेशन के सामने स्थित ओवर ब्रिज पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मऊरानीपुर में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज झाँसी रिफर किया गया।

जानकारी के मुताबिक मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन के सामने बने हुए ओवर ब्रिज पर देर रात्रि दो मोटरसाइकिलों की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें एक मोटरसाइकिल पर सवार शोएब और शाहिद दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। तो वहीं दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार नरेंद्र पटेल निवासी ग्राम चिमदवारा गंभीर रूप से घायल हुआ। मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा मामले की जानकारी 108 एंबुलेंस को दी गई। तो वही मौके पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर लाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद शोएब और शाहिद की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया गया।

अवैध शराब बेचने का विरोध किया तो दबंगों ने कर दी मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

मऊरानीपुर। ग्राम कैमाई में अवैध शराब बेचने का विरोध करना पड़ौसी को महंगा पड़ गया। विरोधियों ने शराब के नशे में जमकर मारपीट कर दी। ग्राम कैमाई निवासी बहादुर पुत्र श्रीपत ने कोतवाली प्रभारी मऊरानीपुर को एक प्रार्थना पत्र देकर बताया कि ग्राम के पड़ोसी कच्ची शराब बेचते हैं। विगत 18 अक्टूबर को मेरा भाई शिव चरन घर के दरवाजे पर बैठा था। तभी शराब के नशे में कुछ लोग आए और मेरे भाई के साथ गाली गलौज करने लगे। मेरे भाई ने विरोध किया तो पड़ौसी लाठी डंडे कुल्हाड़ी लेकर आये और बिना किसी बात के मेरे भाई के ऊपर जान लेवा हमला कर दिया। हमले में मेरा भाई मरणासन्न हो गया। और धमकी देने लगे कि अगर कभी भी हमारे शराब खरीदने बाले ग्राहकों से कुछ कहा तो तुम्हें पूरे परिवार सहित जान से मार देंगे। उक्त लोगों ने मेरी माता जी बचाने आयी तो उनके साथ बुरी तरह मारपीट कर दी। पीड़ित ने कानूनी कार्यवाही कर न्याय दिलाने की माँग की है।

वोटर चेतना महाअभियान के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

बंगरा(झाँसी)ब्लॉक कार्यालय बंगरा पर बुधवार को वोटर चेतना महाअभियान की बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदय लुहारी रहे उन्होंने कहा कि जो युवा 18 वर्ष की आयु को पूर्ण कर चुके हैं या विवाह होने के बाद निवास स्थान परिवर्तित कर लिया हो या बूथ से अन्यंत्र निवास करने वाले तथा बूथ पर नए आए
मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने या नाम कटने समेत अन्य कार्य वोटर चेतना महाभियान के माध्यम से करना है।उन्होंने मंडल पदाधिकारियों से जमीनी स्तर पर उतर कर मेहनत के साथ वोटर चेतना अभियान को सफल बनाने की बात कही
आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर भाजपा के क्षेत्रीय सह संयोजक कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र प्रदीप गुप्ता रहे उन्होंने कहा कि वोटर चेतना महाअभियान में पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा प्रत्येक जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित है उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतत संपर्क व सतत संवाद की भाजपा परंपरा के साथ फिर एक बार घर-घर दस्तक देने की अपील की।आयोजन में महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष गोमती सेन,शिवदयाल कुशवाहा,रंजीत भोजवाल,प्रदीप सिंह गौर,वीरेन्द नायक,पुष्पेन्द कुशवाहा,भीमप्रताप सिंह रजपुरा,रविन्द्र सिंह,सुरेन्द्र सिंह परिहार,नरेन्द्र वैध,पुनीत सोनी,सुधीर बाजा,राजाराम कुशवाहा, रामजीवन शुक्ला,वैभव गुप्ता,कपिल गुप्ता,तुलाराम अहिरवार,सर्वेश कुमार द्विवेदी,भगवानदास कुशवाहा,रामवती,पूनम,हरकू आदिवासी सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नारी मिशन शक्ति के तहत लोगों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी! थाना प्रेमनगर जनपद झाँसी मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी के दिशा निर्देश में मिशन शक्ति अभियान फेस 04 के तहत *थाना प्रेम नगर उ0 नि0 अंकित धामा म0का0 1765 कंचनपाल व म0 का0 903आरती व पार्षद अल्का जी व सिविल डिफेंस की टीम द्वारा नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वावलंबन के तहत चौकी नैनागढ़ में महिलाओ व बच्चियों को एकत्रित कर चौपाल लगा कर उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, कन्या सुमंगला योजना, बी सी सखी योजना,बिधवा पैंशन योजना आदि के बारे में विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108, 112, 1076, 1098, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई उनकी समस्याओं को सुना गया एवं उनकी सुविधा हेतु पिंक कार्ड भी वितरित किए गए और योजनाओं के बारे में बताया गया।

पुलिस ने जुआ खेलते 6 जुआड़ियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के मऊरानीपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी राजेश एस के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गोपीनाथ सोनी व पुलिस क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकांत गौतमके पर्यवेक्षण में और कोतवाली प्रभारी जे पी पाल के कुशल नेतृत्व में अपराध व अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत मऊरानीपुर कोतवाली पुलिस ने 6 जुआड़ियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर कार्यवाही की है। पुलिस के मुताबिक 17/18 अक्टूबर की दरम्यानी रात चेकिंग के दौरान सूचना पर दमेले चौक के आगे सुखनई नदी के किनारे पुरानी टंकी के पास मऊरानीपुर में जुआ खेलते हुए 6 नफर अभियुक्त गिरफ्तार किए। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों अरबाज पुत्र शान मुहम्मद निवासी परवारी पुरा, जितेन्द्र रैकवार पुत्र सुखई निवासी परवारीपुरा, मुकेश भार्गव पुत्र मुनीम भार्गव निवासी परवारीपुरा, राकेश राजपूत पुत्र राजेन्द्र राजपूत निवासी परवारीपुरा, ब्रजबिहारी साहू पुत्र दामोदर साहू निवासी परवारीपुरा, फूलचंद कुशवाहा पुत्र चेतु कुशवाहा निवासी परवारीपुरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते व 2780 रुपये माल फड़ व 2640 रुपये जामा तलाशी में बरामद कर धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अंकित पंवार, उपनिरीक्षक सत्यराय,कॉन्स्टेबल हरिश्याम, राहुल यादव, आशीष पटेल, मानवेन्द्र कुमार आदि शामिल रहे।

डांडिया व गरबा कार्यक्रमों में अनियमितताओं का विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। श्री दुर्गा उत्सव महासमिति एवं राष्ट्रभक्त संगठन का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष अंचल अरजरिया के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं सिटी मजिस्ट्रेट से भेंट कर डांडिया व गरबा कार्यक्रमों में अनियमितताओं का आरोप लगाया। ज्ञापन में बताया गया है कि लक्ष्मी गार्डन में जो डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उसमें आयोजकों द्वारा विधर्मियों को प्रवेश कराया गया। जिससे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई है।
डांडिया और गरबा जेसे आयोजन नवरात्रि मां शक्ति के महापर्व में महिलाओं द्वारा माता की भक्ति प्राप्त नृत्य के माध्यम से करने हेतु किए जाते हैं जिसमें सामूहिक रूप से नृत्य कर मां से प्रार्थना की जाती है ऐसे आयोजनों में बिधर्मियों के प्रवेश से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। अतः ऐसे आयोजनों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए साथ ही ऐसा आयोजन करने वालों से एक एफिडेविट भी लिया जाए कि वह ऑनलाइन भी टिकट बिक्री कर रहे हैं तो उसमें आधार कार्ड पहले लेंगे साथ ही जीएसटी विभाग भी ऐसे आयोजनों पर नजर रखें क्योंकि यहां पर मनोरंजन कर की चोरी की जा रही है। कुछ शरारती तत्व जो हिंदू संगठनों को बदनाम कर रहे हैं उनको भी ऐसे आयोजनों में जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह सारा काम प्रशासन का है, प्रशासन इसको देखेगा और आयोजन पर कड़ी लगाम लगाएगा। इस अवसर पर प्रतिनिधि माता प्रसाद सिंह पटेल, सर्वेश पटेल, आर सहरिया, संजय वामी, राहुल निबोरिया, दीपक वर्मा, दिनेश पाल, लखन कुशवाहा आदि लोगों उपस्थित रहे।

पैदल गश्त कर लिया सुरक्षा का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी त्यौहारों को देखते हुए व जनता कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जनपद के पुलिसकर्मी लगातार पैदल गश्त कर नागरिकों को सुरक्षा का एहसास कर रहे है. बताते चले कि अपराध एवं अपराधियों पर शिकंजा कसने तथा आम लोगों में पुलिस के प्रति और अधिक विश्वास बढ़ाने के लिए एसएसपी राजेश एस के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार पैदल गश्त के जनता को सुरक्षा का एहसास दिलाया जा रहा है । वही थाना प्रेमनगर अंतर्गत पुलिया नंबर 9 क्षेत्र में चौकी प्रभारी निखिल कुमार व अन्य पुलिसकर्मी द्वारा प्रत्येक रात्रि गस्त कर नागरिकों में मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था का एहसास कराया जा रहा है. चौकी प्रभारी निखिल चौकी क्षेत्र में भीड़-भाड़ वाली जगहों तथा व दुकानों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर लोगों के प्रति पुलिस के सजग रहने का आह्वान किया। और कहा कि किसी को कहीं पर भी अगर किसी तरह की दिक्कत आए या किसी भी संदिग्ध वस्तु तथा गतिविधि होने की जानकारी मिले। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे कि पुलिस आवश्यक कदम उठा सके। उन्होंने कहा कि नगर में शांति व्यवस्था को कायम रखने व अपराधों पर अंकुश के लिए प्रतिदिन क्षेत्र में पैदल गश्त किया जा रहा है । पुलिस के पैदल गश्त से जहां असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचेगा, वहीं गणमान्य लोगों ने इसे पुलिस का सही कदम बताया है।

शौच क्रिया के लिए गया एक युवक फिसल कर नहर में डूबा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के पूंछ थाना पूंछ क्षेत्र के ग्राम सेसा में शौच क्रिया के लिए गया एक युवक फिसल कर नहर में डूबने लगा, डूबता देख राहगीरों ने नहर में कूद कर बचा लिया लेकिन युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुटी है। बताया गया है कि ग्राम सेसा निवासी करीब 31 बर्षीय पुष्पेंद्र पुत्र तिहारू ढीमर सेसा निवासी बुधवार सुबह गांव के नजदीक बेतवा प्रखंड नहर के पास शौच क्रिया के लिए गया था। नहर से पानी लेते समय अचानक उसका पैर फिसला और वह नहर में गिरकर डूबने लगा। नहर में डूबते समय चीख पुकार कोंच की ओर से आ रहे राहगीरों ने सुनी तो वह पुष्पेंद्र को बचाने के लिए नहर में कूद गए। उन्होंने पुष्पेंद्र को बचाया और उसे नहर के किनारे ले आए। इतने में स्थानीय लोग भी एकत्रित हो गए लोगों ने पुष्पेंद्र के परिजनों को अवगत कराया। इधर पुष्पेंद्र की हालत बिगड़ती जा रही थी। परिजन एंबुलेंस के माध्यम से उसे सीएचसी मोंठ ले आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुटी है।

महिलाओ की सुरक्षा व्यवस्था के तहत मिशन शक्ति योजना अंतर्गत महिलाओ को जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी के थाना टोडी फतेहपुर मिशन शक्ति के तहत महिला कांस्टेबल शांती व पूनम सिंह द्वारा मोहल्ला बड़ागंज व स्कूल में जाकर महिलाओं छात्राओं को जागरूक किया गया व उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना आदि के बारे में विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108, 112, 1076, 1098, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई
उनकी समस्याओं को सुना गया एवं उनकी सुविधा हेतु पिंक कार्ड भी वितरित किए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

If you want glow on your face without going to parlor then use this paste, skin will glow before marriage.

The wedding day is very special for every bride, preparations for which brides start much in advance. Every bride-to-be wants to look the most beautiful and special on her wedding day. For this, she starts selecting wedding outfits, makeup and other things several days in advance.

To get a natural glow on the wedding day, brides-to-be go to the parlor many days in advance, but many girls do not have time to go to the parlor. Due to this, in today's article we are going to tell you the method from making a special boil to using it. If you want your skin to look glowing on the wedding day, then you can make a special paste at home and use it. It is very easy to make this ubtan. Ingredients for making ubtan: Gram flour, beetroot powder, ground lentils, sandalwood powder, turmeric, a little flour, rose water, raw milk. Method of making ubtan: To make this special ubtan, first grind the lentils. After this, put all the remaining things in a big bowl. Now add raw milk to it and prepare a pack which does not cause any problem in applying on the face. Method of application: You can apply this paste on your face as well as hands and feet. For this, just apply it thoroughly on the skin with the help of a brush. After this, when it is on the verge of drying, clean it by massaging the skin with a light hand. You can get glowing skin by using it for a few days. Benefits of home made ubtan. You can find many types of ubtan in the market, but all types of chemicals are found in them. In such a situation, homemade paste will give you glowing skin. There is no risk of any side effects from this. Along with this, you can remove dead skin from your skin with the help of homemade scrub.

Migraine problem can be triggered in this season, know its causes and preventive measures.

The month of October is considered to be one of change in weather, with the drop in temperature the atmosphere starts becoming cool in the morning and evening. This kind of change in weather can be challenging for health in many ways. In this season, there may be a risk of increasing the problem of migraine along with the increase of viruses like influenza. As winter progresses, the risk of migraine increases. But do you know what is the relation between migraine and cold weather? Health experts say that the change in weather can make you ill. Headache problem is quite common in winter, in some people the problem of migraine can also be triggered with the drop in temperature. Migraine cases increase during winter but why is this so? And how can it be controlled, let us understand about this. Problem of migraine in winter. Health experts say that people who have problem of migraine may experience it more in winter. Many conditions of this season are considered to increase the risk of migraine. As the Mayo Clinic reports, seasonal changes may trigger migraines. Apart from this, due to conditions like dryness in air, extreme cold, you may be at risk of getting migraine. Lack of sunlight increases the risk. Lack of sunlight in this season is also considered to be one of the reasons for triggering migraine during winter. Lack of sunlight can cause an imbalance in chemicals like serotonin in the brain. Imbalance of brain chemicals is thought to increase headache and migraine episodes. Apart from this, lack of sunlight disrupts our circadian rhythm i.e. the body's internal clock resulting in imbalance in sleep patterns or lack of sleep. Sleep problems are also known to trigger migraines. Avoiding things that trigger migraines "One of the interesting things we see clinically in the winter is," says Nushen Zhang, MD, clinical associate professor of neurology at Stanford Medicine. One of them is that the frequency of migraine increases in people during these days. Due to many bad habits of our lifestyle, the problem of this type of headache can also increase. Consumption of alcohol, excessive consumption of caffeine, fast or Flashing lights, strong odors (like scented incense sticks), and certain foods can also be potential migraine triggers. How to Prevent Migraines? Health experts say people who are sensitive to cold are more likely to get migraines. In winter, it is very important to keep trying to prevent headaches, especially migraine. For this, it is important that you protect yourself from cold. Including exercise in your daily routine can benefit you, exercising helps in increasing the serotonin levels. Level increases which can reduce its risks.

Do you know that an ideal husband-wife relationship has these five qualities?

Marriage is such a bond in which a boy and a girl promise to remain together for seven births with fire as a witness. Marriage not only binds two people, but their families also bond with each other. Their habits, their nature, their happiness, their sorrows and pains all get tied to each other. A new life begins for both of them. After marriage, it becomes the responsibility of both husband and wife to take care of each other's happiness. Now they have to think for both instead of thinking for one. If the wife finds her happiness in her husband's habits and the husband finds his happiness in his wife's habits, then there is no tension in life. The entire bond of marriage rests on the thread of trust. Both husband and wife should always maintain trust with their partner. Come, let us know what qualities an ideal husband and wife should have in their relationship. Respect each other Who doesn't like respect? When it comes to the relationship between husband and wife, there should be respect for each other. Even if your partner is less than you in terms of money, education, qualities or job, still respect him for his good qualities. It is enough that you are each other's life partner. Therefore, in an ideal husband-wife relationship, there should be respect for each other. Love your partner. The most important thing in a husband-wife relationship is to love each other. You should love your partner's inner beauty without paying attention to his/her external appearance. Only when you love your partner without any selfishness will your relationship become an ideal relationship. Give importance to the wishes of the partner. Husband and wife should always respect each other's wishes. If you are going to do any work then definitely take the consent of your partner. Patience is very important in the relationship between husband and wife. Ignore mistakes, no matter how big the mistake is. Even in difficult situations, if you stand by your partner instead of blaming him/her, then you are a good partner. Put yourself at that time and see if you had made that mistake, what would you have done? What do you expect from your partner? Forgive your partner's mistake and take the initiative to correct it.

Lie to save the relationship or tell the bitter truth? Know the effect of both

In any relationship, you want the other person to be happy and his feelings not to be hurt, even if you have to tell a lie. But is it correct? Truth is an important foundation of every relationship and everyone wants their partner to be truthful to them. But studies show that many people sometimes lie to keep relationships going. According to a study by Oxford University, people often lie because they do not want to hurt their partner's feelings. There is a feeling of security and protection behind lying, the purpose of which is to make relationships stronger and happier. Psychologist Robin Dunbar has also said that lying does not hurt feelings, which helps in keeping relationships stable and sweet. But it is also important that lies should not have a negative impact and the truth should always be kept important. What are the reasons Correct communication is important for a successful and healthy relationship. The potential for conflict increases when people do not share their feelings, joys and challenges. As a result, people do not act at the right time to solve problems, which can complicate the relationship. Trust is extremely important in a successful relationship. When someone has doubts about his partner, the relationship starts weakening. This can reduce a person's self-confidence and he starts hiding things from his partner. Many times people think that they should always keep their partner happy, for this they lie, so that the partner's feelings are not hurt, but this can upset the balance between truth and lies. The importance of communication skills in a relationship also cannot be ignored. If someone does not have the right communication skills, he or she will not know the right way to share feelings and happiness, which can also lead to conflict. What is the impact No matter the reason for lying, even if it is for the happiness of the partner. No matter what, it can have a negative impact on the relationship. For example, lying can lead to lack of trust in relationships. When your partner comes to know that you are lying to him, his feeling of distrust towards you increases. When the number of mutual disputes increases manifold, partners resort to lying because they think that this can prevent many more disputes. But lying can make it difficult to regain trust. Lies can lead to more tension and irritation in relationships, which can increase conflict. The truth is like a diamond. Family relationship counselor Shobhana says, in any relationship, the truth makes you transparent. No relationship can survive without truth. It is prevalent in the public mind that the truth is bitter. But it is not necessary that what is bitter is the truth. Truth is a diamond, which becomes more beautiful when cut. To run relationships properly, it is important to take care of some things like being open in communication, talking openly and telling each other what is in your heart and apart from this, by talking on time, you can quickly understand the problems and solve them. Solution should be found. The most important thing in all this is that you maintain trust and cooperation towards each other and always support your partner.

Varun Tej and Lavanya Tripathi's pre-wedding party photos go viral, Allu Arjun seen with wife Sneha

Varun Tej and Lavanya Tripathi Pre-Wedding Party Varun Tej is a famous actor of South Cinema who is in the news these days about his marriage. Soon the actor is going to marry his

girlfriend Lavanya Tripathi. Recently, the bride and groom enjoyed a pre-wedding party, photos of which have surfaced on social media. Varun Tej and Lavanya's pre-wedding party photos go viral These stars came to Varun Tej and Lavanya's pre-wedding party. Allu Sirish organized a party for Varun and Lavanya. Well-known South Cinema actor Varun Tej will soon tie the knot with his lady love Lavanya Tripathi. Going to take. Before the marriage, the couple was seen enjoying a pre-wedding party with family and friends, where many famous stars were also seen. Varun Tej is Chiranjeevi's nephew. He is also the cousin of superstars Allu Arjun and Ram Charan. Not only this, Allu Sirish, Sai Tej and Vaishnav Tej are also his cousins. Varun has a very good bond with his siblings, glimpses of which are seen every day. Allu Sirish hosted Varun and Lavanya's pre-wedding party Recently, Varun and Lavanya's pre-wedding party was hosted by Allu Sirish at his home, where all the family gathered. Varun and Lavanya's family members and friends participated in this party and everyone had a lot of fun, the glimpse of which can be clearly seen in the pictures. Allu Sirish has shared beautiful pictures of the couple's pre-wedding party on social media. Megastar Chiranjeevi, Allu Arjun, Nithin, Sneha Reddy, Allu Sirish, Panja Vasihanva Tej, Sai Dharam Tej, Nithin at Varun-Lavanya's wedding celebration. His wife Shalini, Ritu Verma, Upasana and Niharika Konidela. Ram Charan was not visible in the photos shared. On this special occasion, the groom-to-be Raja Varun wore black pants with a printed shirt and completed the look with shoes. Lavanya was looking very beautiful in a golden gown and matching earrings. Whereas, 'Pushpa' star Allu Arjun looked very handsome in black pants and white shirt. His wife and Ram Charan's wife were also looking amazing. When will Varun-Lavanya get married? Varun Tej and Lavanya are going to marry in Tuscany, Italy on 1 November 2023. Many big stars of South will attend their grand destination wedding. The marriage will take place as per Telugu customs. Let us tell you that both of them got engaged in June this year.

Sumit Vyas-Nidhi Singh are returning as 'permanent roommates', new season will come on OTT on this day

The first two seasons of OTT's famous romantic-comedy show Permanent Roommates were thoroughly enjoyed by the audience. In its story which was shown out of the box, the modern love story of Mikesh and Tanya was seen. Now the makers have announced the third season. Sumit Vyas and Nidhi Singh are going to appear soon as permanent roommates for the third time. 'Mikesh' and 'Tanya' are making a comeback in the world of OTT. 'Permanent Roommates 3' release date announced. There is a plethora of entertaining content on the digital platform OTT. Here you will find many such out-of-the-box shows, whose story becomes less interesting the more times you watch it. One such web series has been 'Permanent

Roommates.' The first two parts of this series were a huge hit. Fans were waiting for the third installment of the series, which is now over. The release date of 'Permanent Roommates 3' has been announced. 'Permanent Roommates 3' is returning. 'Permanent Roommates 3' produced by The Viral Fever (TVF) and directed by Shreyansh Pandey shows the further story of Mikesh and Tanya. Will go. Their love story and funny family life were shown in the first two parts, whose story maintained the interest level of the audience. Now the third part is going to be more exciting than before. The show's lead actor Sumit Vyas has announced its release date. 'Permanent Roommates 3' starting from this day The third season of 'Permanent Roommates' is starting from October 18 on Amazon Prime. This romantic-comedy drama show starring Sumit Vyas and Nidhi Singh in the lead roles will be shown in more than 240 countries and territories. On the launch of the third season, Shreyansh Pandey, head of TVF Originals and director of the show, said - "We are like permanent roommates. Very happy to announce the third season. As its creators, this series has always had a special place in our hearts. Being close to our hearts, this project started a web revolution of sorts in 2014. After the incredible love and support we have received for Mikesh and Tanya, we couldn't be happier to bring you this next chapter. By presenting this series to our viewers, we are not only bringing back the series but also reviving our special bond with them." This third season of 'Permanent Roommates' will premiere from October 8. The launch is a part of Prime Video's festive line up for the Great Indian Festival 2023.

Glorious tale of courage and determination, another memorable character of Akshay Kumar

Mission Raniganj Review Mission Raniganj is a film based on a true incident in which Akshay Kumar played the character named Jaswant Singh Gill. The film is directed by Tinu Suresh Desai. Parineeti Chopra is in the female lead role. This is her first release film after marriage. Mission Raniganj is the story of saving laborers trapped in the coal mine. There are many such glory stories in Indian history, about which common people are not aware. Filmmakers are taking great interest in portraying those stories on the cinema screen. Among these, Mission Raniganj: The Great Bharat Rescue is a symbol of human emotions and the intelligence, determination and bravery of Indian engineer Jaswant Singh Gill. In the year 1991, Jaswant Singh Gill was awarded the Best Life Saving Award by the as 'Capsule Gill'. Tinu Suresh Desai has made 'Mission making the film Rustom. Jaswant Gill died in the year Singh Gill in the film. The story is based on the Raniganj mine in Raniganj, West Bengal. Gill led the rescue 13, 1989. Due to the explosion happening at the wrong workers. There was a lot of anger among the local the lives of the workers. Actually, considering the speed Gill took stock of the situation and suggested drilling a into the mine and the people trapped there could be to rescue all the workers alive. How is the screenplay of of the coal mines. Jaswant Gill's courage is shown in the life of the workers working in the coal mine, the complex film in a very simple manner. He has given a glimpse of preparing the capsule, but does not go into time the workers are trapped in the mine till they come

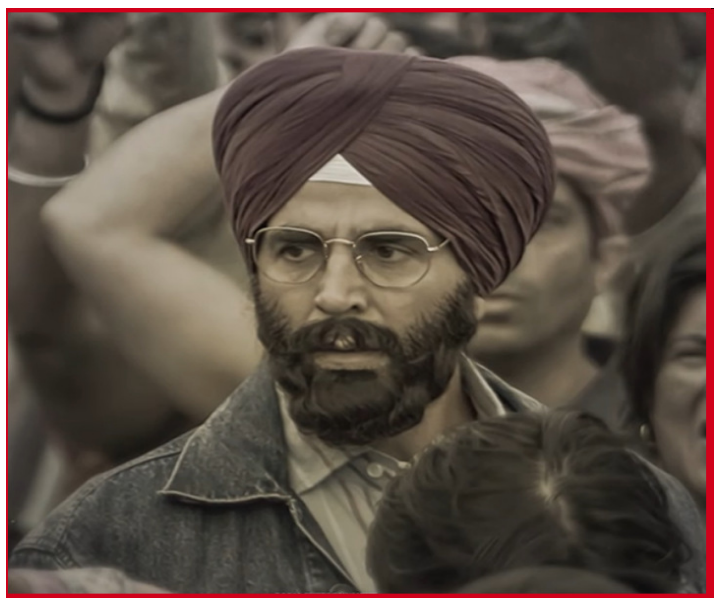

President for this bravery. Was. After this campaign, he also came to be known Raniganj' on this incident. Before this, he had gained immense popularity by 2019. Actor Akshay Kumar has played the role of coal mine engineer Jaswant mine case. In the year 1989, 65 workers were trapped in the Mahabir coal operation even though he did not work in that mine. This case is of November place, the mine had started filling with water. There was no trace of the people. Then Gill used a technique that had never been used before to save of water flow in the mine, it was not possible to go inside. In such a situation, new bore. It was also proposed to make a steel capsule which could be sent taken out one by one. During the three-day long rescue operation, Gill managed the film? The film begins with the voice of Sharad Kelkar narrating the history the opening shot itself. Then after a song and after getting a small glimpse of story focuses towards the coal mine. Tinu Suresh has tried to tell this technically serious portrayal of the plight of the workers trapped in the mines. He gives a its depth. He has managed to maintain an atmosphere of tension from the out. However, at the technical level the film is a bit weak. The coal mine set relies on special effects. This is clearly visible on the screen. The film progresses at a very fast pace before the intermission. It seems that everyone is aware of the workings of a coal mine. After receiving the news of workers trapped in a coal mine, Gill reaches the spot and takes command of the rescue operation. During that time they have to face red tape problems. Even in that environment, while dealing with it, he does not waver from his campaign. Tinu has woven these themes beautifully. Promises made out of compulsion often prove to be false, just as some powerful dialogues are. How is the acting of Akshay Kumar and other actors? Akshay was not in the central role in the recently released film OMG 2. However, the burden of Mission Raniganj rests entirely on his shoulders. In real life, Akshay, who extended a helping hand during the Corona period, suits that kind of role on screen. He has wholeheartedly imbibed Gill's determination, cordiality, cheerful nature and dedication towards work. The incidents of husband and wife respecting each other's work and not interfering in it are inspiring. The film has experienced actors like Kumud Mishra, Pawan Malhotra, Varun Badola, Dibyendu Bhattacharya, Rajesh Sharma, Virendra Saxena, Anant Mahadevan, Jamil Khan, Sudhir Pandey. Everyone does justice to their role. Despite only a few scenes, he makes a strong presence felt. Ravi Kishan attracts attention in the role of a domineering mine worker. After the film Kesari, Parineeti has once again been seen with Akshay Kumar in this film. There are a few emotional scenes with songs and dance in his part. She looks good in that. This film is a story of courage in the face of adverse circumstances. This story of the unsung hero of the country succeeds in connecting with the audience by showing the process of saving the workers.